हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 23 जून 2024

तापमान
अधिकतम 38.0 डिग्री
न्यूनतम 29.0 डिग्री

10 संत कबीर दास ने मानव जाति के उत्थान के लिए काम किया: सांसद

10 सरकार बिना खर्ची व पर्ची के नौकरी देने का कर रही काम : डा. मिड्ढा

खबर संक्षेप

क्रिकेट खेल महाकुंभ के लिए ट्रायल आज

जींद। जिला खेल अधिकारी रामपाल ने बताया कि सरकार द्वारा राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ का आयोजन (पुरूष व महिला) ओपन कैटेगरी में 24 खेलों में करवाने का निर्णय लिया गया है। राज्य स्तरीय क्रिकेट खेल महाकुंभ में भाग लेने के लिए 23 जून को जाट सीसै स्कूल में 9 बजे लड़के व लड़कियों की ट्रायल के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा।

मारपीट-धमकी देने के आरोप में पांच नामजद

कैथल। मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। गांव क्योडक निवासी कृष्ण कुमार ने सदर थाना में शिकायत दी कि 21 जून को शाम के समय आरोपी अमित, साहिल, गणेश, कुच्छू व भालू ने उस पर डंडे व गंडासी से हमला कर दिया। आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

रंजिशन हमला करने का आरोप, मामला दर्ज

जींद। जुलाना बाईपास पर बाइक सवार दो युवकों पर हमला कर घायल करने पर जुलाला थाना पुलिस ने चार युवकों को नामजद कर कुछ अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जुलाना निवासी सन्नी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मोहित तथा बागरू के साथ बाइक पर सवार होकर गाव बुढाखेड़ा लाठर जा रहे थे।

चोरों ने ट्यूबवेल की तार व नकदी चुराई

कैथल। दो स्थानों से जनस्वास्थ्य विभाग के ट्यूबवेल की तार व दो मकानों से नकदी और पानी की टोंटियां चोरी कर ले गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मामले में जनस्वास्थ्य विभाग के उपमंडल अभियंता विनोद आर्य ने सदर थाना में शिकायत दी कि नौ जून को अज्ञात संगतपुरा में विभाग के ट्यूबवेल से तार चोरी कर ले गए।

उधार राशि नही लौटाई तो बेरहमी से पीटा, केस

जींद। नरवाना सब्जी मंडी में उधार राशि नही लौटाई तो आरोपित ने हमला कर व्यक्ति को घायल कर दिया। शहर थाना नरवाना पुलिस ने घायल की शिकायत पर ओरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांधी नगर निवासी विकास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने गांव थुआ निवासी जगबीर से एक हजार रुपये उधार लिए हुए थे।

सर्वोच्च पुरस्कार के लिए 15 सितंबर तक आवेदन

कैथल। डीसी प्रशांत पंवार ने बताया कि सरकार ने पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री सहित प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों की सिफारिशों के लिए नामांकन आमंत्रित किए हैं। सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शुमार इन पुरस्कारों की घोषणा 26 जनवरी, 2025 को गणतंत्र दिवस पर की जाएगी। बताया कि पुरस्कारों के लिए 15 सितंबर तक भेजी जानी चाहिए।

फोन पर अश्लील बात करने पर मामला दर्ज

जींद। पटियाला चौक पर महिला से फोन पर अश करने पर शहर थाना पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ अश का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पटियाला चौक इलाके की महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 16 जून को एकता कालोनी निवासी जितेंद्र की फोन पर कॉल आई।

ड्यूटी में बाधा डालने का वांछित आरोपी गिरफ्तार

कैथल। वर्ष 2020 दौरान भैंस चोरी करके फरार होने तथा पुलिस टीम पर हमला करके सरकारी ड्यूटी में बाधा डालने के मामले में थाना पूंडरी पुलिस के एसआई महिपाल द्वारा वांछित आरोपी तिलरवाला जिला शामली यूपी निवासी जाकिर अहमद को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया।

खबर का असर: 2.50 लाख प्रतिवर्ष से अधिक मिली परिवार की आय

डीसी के आदेश पर बुजुर्ग की आय को लेकर अधिकारियों ने दी घर में दस्तक, पहले ही बना मिला बीपीएल कार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

शुक्रवार को कैथल के लघु सचिवालय के सभागार में एक 85 वर्षीय बुजुर्ग सतपाल द्वारा आय सही करने को लेकर अधिकारियों पर दुर्व्यवहार के आरोप लगाने का हरिभूमि समाचार पत्र में प्रमुखता से उठाने पर जिला प्रशासन ने तुरंत प्रभाव से इस पर कड़ा संज्ञान लिया है। डीसी प्रशांत पंवार ने इसे लेकर तुरंत प्रभाव से संबंधित अधिकारियों को बुजुर्ग की समस्या दूर करने के आदेश दिए। आदेशानुसार अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय में कार्यरत अधिकारी सुनील कुमार

कैथल। बुजुर्ग के घर पहुंचे जिला प्रशासन के अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

अपने कर्मचारियों तथा वार्ड नंबर 04 के पार्षद महेश गोगिया के साथ शनिवार को बुजुर्ग सतपाल तथा उनके पुत्र जगमोहन के घर पहुंचा।

नहीं होने दिया जाएगा किसी को परेशान

डीसी प्रशांत पंवार ने कहा कि लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में उचित तरीके से सभी की समस्याएं सुनी जा रही हैं तथा उनका समाधान भी करवाया जा रहा है। समाधान शिविर में किसी को परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

वहां पर अमले द्वारा पाया गया कि पूरा परिवार एक ही मकान में रहता है। बुजुर्ग सतपाल का बीपीएल कार्ड बना हुआ है तथा उसका आयुष्मान कार्ड भी बना हुआ है। पता चला है कि वह अपने बेटे जगमोहन की आय कम करवाने को लेकर शिकायत लेकर आया था। वहां पर मौजूद टीम ने पाया गया कि जगमोहन जहां तंदूर पर मजदूरी का काम करता है तो वहीं उसके दो बेटे मनी व अन्य प्राइवेट नौकरी करते हैं। मौके पर ही टीम द्वारा दोनों बेटों से अलग-अलग समय उनके मोबाइल पर बातचीत की गई तो उन्होनें बताया कि वे प्रतिमाह 10 से 12 हजार रुपये कमा लेते हैं। इस प्रकार से जगमोहन की वार्षिक आयं 2.50 लाख से 3.00 लाख तक बनती है। जबकि जगमोहन अपनी आय को 1.80 लाख रुपये करवाने को लेकर लघु सचिवालय के समाधान केंद्र पहुंचा था। वहां पर टीम ने नगर पार्षद महेश गोगिया के समक्ष पूरे परिवार से सोहार्दपूर्ण ढंग से बातचीत की। महेश गोगिया ने भी यह बात लिखित में दी है कि उनके सामने ही जगमोहन व उसके बेटों से बातचीत की गई है तथा उनकी आय करीब 2.50 लाख प्रतिवर्ष से अधिक है। उच्चाधिकारियों को भिजवा देंगे शपथ पत्र : सुनील कुमार वहां पर मौजूद टीम द्वारा जगमोहन को सुझाव भी दिया गया है कि यदि वह अपनी आय कम को लेकर शपथ पत्र देता है तो उनकी आय कम करने को लेकर उनका आवेदन मुख्यालय भिजवा दिया जाएगा। अंतिम निर्णय मुख्यालय का होगा।

हायर एजुकेशन विभाग के इसी सत्र में दाखिला सुनिश्चित करने के आदेश

जींद : चार रा .कॉलेजों को मिले पांच नए कोर्स

जींद के राजकीय कालेज में बीसीए संकाय में 60 सीटें बढ़ाई

नरवाना के राजकीय कालेज में बीए पोलिटिकल साइंस का नया कोर्स शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला के चार राजकीय महाविद्यालयों को उच्चतर शिक्षा निदेशालय ने पांच नए कोर्स उपलब्ध करवाए हैं तथा बीसीए, बीए संकाय में करीब 220 सीटें बढ़ाई गई हैं। इससे विद्यार्थियों को काफी राहत मिली है। जींद के राजकीय कालेज में बीबीए का नया कोर्स शुरू हुआ। इसमें 40 सीटें स्वीकृत की हैं। राजकीय महिला कालेज में बीएससी फिजिक्स का नया कोर्स इस बार शुरू हुआ हैए जिसमें 30 सीटें स्वीकृत की गई हैं। वहीं नरवाना के राजकीय कालेज में बीए पोलिटिकल साइंस का नया कोर्स शुरू किया गया है और इसमें 40 सीटें स्वीकृत हुई हैं। हालांकि पोस्ट ग्रेजुएशन का एमकाम में भी 40 सीटें बढ़ाई गई हैं। हायर एजुकेशन विभाग द्वारा इसी सत्र में इन कोर्स में दाखिला सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं। वहीं जींद के राजकीय कालेज में बीसीए संकाय में 60 सीटें बढ़ाई गई हैं। पहले यहां 60 सीटें थी, अब 120 सीटें हो गई हैं। अलेवा के राजकीय कालेज में 80 सीटें बढ़ाई गई हैं। अब तक अलेवा कालेज में बीए की 60 सीटों पर ही दाखिला होता था। इसके अलावा नरवाना में बीए संकाय में भी 80 सीटों को इस बार बढ़ाया गया है।

जींद। राजकीय महाविद्यालय।

दाखिले के लिए 25 तक आवेदन

यूजी कोर्स में दाखिले के लिए 25 जून तक ऑनलाइन आवेदन होंगे। जिले के 18 सरकारी और निजी कालेजों में 15 हजार से 'यादा विद्यार्थी आनलाइन आवेदन कर चुके हैं। साथ ही आवेदनों का सत्यापन किया जा रहा है। तीन जुलाई को पहली मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। फिलहाल राजकीय महिला कालेज में शनिवार तक बीए में 400 सीटों पर 920 आवेदन आए। बीए अंग्रेजी में 34, 'योग्राफी में 46, बीकाम में 133, बीसीए में 157, बीएससी लाइफ साइंस में 132, बीएससी फिजिकल साइंस में 156, बीएससी फिजिक्स में 10 विद्यार्थियों ने आवेदन किया। जींद के राजकीय कालेज, महिला कालेज, अलेवा राजकीय कालेज तथा नरवाना राजकीय कालेज में नए कोर्स और सीटें बढ़ने के बाद विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। पहले करीब साढ़े 10 हजार सीटें थी, जो अब बढ़कर 11 हजार के करीब पहुंच गई हैं।

राजकीय कालेज में बीबीए का नया कोर्स शुरू : मलिक

राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यवान मलिक ने कहा कि उच्चतर शिक्षा निदेशायल को बीसीए कोर्स में सीटों की संख्या बढ़ाने और नया कोर्स शुरू करने के लिए पत्र भेजा गया था। जिस पर निदेशालय इन कोर्स और सीटों की स्वीकृति मिली है। इसी सत्र में इन कोर्स में दाखिले होंगे। महाविद्यालय में इस बार बीबीए का नया कोर्स शुरू हो गया है तो वहीं बीसीए में 60 सीटें बढ़ाई गई हैं। इस बार बीए और बीसीए में सबसे 'यादा आवेदन आ रहे हैं।

दहेज हत्यारोपित पति गिरफ्तार

दहेज की डिमांड पूरी न होने पर जहर देकर मारने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

नरवाना थाना नरवाना पुलिस ने दहेज की डिमांड पूरी न होने पर पत्नी को जहर देकर मारने के आरोपित पति को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। जहां से अदालत ने आरोपित को न्यायिक हिरासत मे जेल भेज दिया है। टोहाना निवासी राजेश ने गत 22 जून को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसकी बड़ी बहन सोनिया की नरवाना निवासी रमेश तथा छोटी बहन रेशमा की शादी रमेश के छोटे भाई बबलू से लगभग पांच साल पहले हुई थी। आरोपित दहेज को लेकर उसकी दोनों बहनों को प्रताड़ित करते थे। जिसको लेकर पंचायतें भी हुई। माफी मांग कर आरोपित वापस ले गए। बावजूद इसके आरोपितों ने उसकी दोनों बहनों का उत्पीड़न जारी रखा। 21 जून शाम को जब उसकी बड़ी बहन सोनिया बाहर गई हुई थी तो ससुरालीजनों ने उसकी छोटी बहन रेशमा के साथ मारपीट कर उसे जबरन जहर दे दिया। जिसके चलते उसकी बहन की मौत हो गई। शहर थाना नरवाना पुलिस ने मृतका के भाई राजेश की शिकायत पर पति बबलू, जेठ रमेश तथा सास चंद्रपति के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज किया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित पति बबलू को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। जहां से अदालत ने आरोपित को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। शहर थाना के जांच अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि मृतका के भाई ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए शिकायत दी थी। फिलहाल मृतका के पति समेत तीन लोगो के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कैथल। डीसी प्रशांत पंवार अधिकारियों को गाडी की चाबी सौपते। फोटो :हरिभूमि

उपायुक्त ने डीआरओ व तहसीलदार कलायत को सौंपी नई गाड़ियों की चाबी, काम को मिलेगी गति

कैथल। डीसी प्रशांत पंवार ने लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में डीआरओ चंद्र मोहन व कलायत के तहसीलदार दिनेश कुमार को नई गाडियों की चाबी सौंपी। डीसी प्रशांत पंवार ने कहा कि नई गाडियां मिलने से विभागीय कार्य को और अधिक गति मिलेगी, जोकि जनहित के लिए काफी कारगर सिद्ध होगी। प्रशासनिक अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर समुचित कार्य कर पाएंगे।

दूषित पानी की निकासी न होने से आमजन दु:खी

राजौंद। राजौंद कैथल असंध मुख्य मार्ग पर सड़क पर बने गहरे गड्ढे में पानी भरने से सड़क तलाब के रूप में तब्दील हो गई। आलम यह बने हुए है कि अब गड्ढे में पानी भरने से सड़क से पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। संबंधित विभाग को बार-बार अवगत करवाने के बावजूद भी इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। इससे दुकानदारों व लोगों तथा वाहन चालकों में भारी रोष है। वार्ड नंबर 6 के निवासी दुकानदार प्रदीप दीक्षित, सतपाल शर्मा, नरेंद्र, मनीष कुमार, कृष्ण कुमार ने बताया कि उनकी दुकानों के सामने मुख्य मार्ग पर गहरे गड्ढे में पानी इतना भरा हुआ है कि पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। कई वाहन चालक इसमें घटना का शिकार हो चुके हैं। बार-बार प्रशासन व संबंधित विभाग को अवगत करवाने के बावजूद भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। इन लोगों ने बताया कि कई बार गड्ढे में पानी की वजह से मोटरसाइकिल चालक बुरी तरह से जख्मी हो चुके हैं।

पूंडरी। अनाज मंडी के गेट पर रखी टंकी से व्यर्थ बहता पानी। फोटो :हरिभूमि

टंकी से प्रतिदिन बह रहा हजारों लीटर पानी व्यर्थ

पूंडरी। सरकार जल संरक्षित रखने के के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए हर वर्ष करोड़ों रुपए प्रचार माध्यमों और स्लोगन पर खर्च करती है। जल ही जीवन है, जल है तो कल ऐसे स्लोगन और विषयों पर समय-समय पर सम्मेलन व संगोष्ठियां होती रहती है। इसके बावजूद भी अनाज मंडी पूंडरी में पाई रोड़ वाले गेट के पास रखे वाटर कूलर की टंकी सप्लाई के दौरान ओवर फलो होकर सैकड़ों टन पानी व्यर्थ में बहता रहता है। पुरा दिन मार्केट कमेटी के कर्मचारी व अधिकारी मंडी में घूमते रहते है, लेकिन ये व्यर्थ बहता पानी किसी को भी नजर नहीं आ रहा है। प्रशासन के अधिकारी ही ऐसे व्यर्थ में पानी बहाते है तो जनता इनसे क्या प्रेरणा लेगी। प्रेरणा लेगी भी तो पानी को व्यर्थ बहाने की या फिर बचत करने की। आसपास के आढ़तियों से बात की गई तो उन्होंने कहा कि ये कोई अभी से थोड़ी न बह रहा है, कितने महीनों से ये हाल है और मार्केट कमेटी के कर्मचारियों व अधिकारियों को भी ये बात नोटिस में है। ये बात उनके नोटिस में नहीं थी, उन्हें अभी इस बात का पता चला है कि पानी व्यर्थ बहता है। वे तुरंत अभी विभाग के जेई को फोन करके इस समस्या को दूर करवाते है।

विवाह पंजीकरण के लिए तहसीलदार और सिटी मजिस्ट्रेट को दी पॉवर

जींद। सरकार ने प्रदेश में विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया सरल किया है। सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में सिटी मजिस्ट्रेट (सीटीएम), तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खंड विकास पंचायत अधिकारी (बीडीपीओ) सहित ग्राम सचिव को मैरिज रजिस्ट्रार के रूप में नामित किया है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि अब विवाह पंजीकरण करवाने वाले लोग लोकल स्तर पर अपनी सुविधा अनुसार ग्राम सचिव से लेकर बीडीपीओ, नायब तहसीलदार, तहसीलदार और सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से मैरिज रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। इससे पहले ग्रामीण स्तर पर केवल तहसीलदार के पास ही मैरिज रजिस्ट्रेशन का अधिकार था। शहरी क्षेत्रों के लिए संयुक्त आयुक्त, कार्यकारी अधिकारी नगर परिषद, सचिव नगर पालिका, तहसीलदार, नायब तहसीलदार नामित रजिस्ट्रार होंगे। नागरिक अब अपने घर के नजदीक ही संबंधित अधिकारियों के माध्यम से विवाह को पंजीकृत करवा सकते हैं।

गूगल के टोल फ्री नंबर पर कॉल करना पड़ा महंगा, लगाया 1.22 लाख का चूना

- टोल फ्री नंबर वाले ने करवाया था फोन में एप डाउनलोड, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हाउसिंग बोर्ड नरवाना के व्यक्ति को फिल्पकार्ड से रुपये कटने पर गूगल के टोल फ्री नंबर पर कॉल करना मंहगा पड गया। व्यक्ति को लगभग एक लाख 22 हजार रुपये का चूना लगा दिया। साइबर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोंगों के खिलाफ चोरी तथा धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हाउसिग बोर्ड नरवाना निवासी रिंकू गोयल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने एक्सिस बैंक के फिल्पकार्ड से रुपये कटने पर गूगल के टोल फ्री नंबर पर फोन किया था। कॉल रिसीव करने वाले व्यक्ति के कहने पर उसने एप डाउनलोड कर लिया। जिसके बाद उसका फोन हैक हो गया ओर अपने आप चलने लगा। जिस पर उसने फोन बंद कर दिया। जब उसने फोन को खोला तो उसमें ओटीपी नंबर आए हुए थे। जिसके बारे में उसने किसी को नही बताया। बावजूद इसके उसके एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड से 77 हजार 999 ओर एक्सिस बैंक के कार्ड से 39 हजार 999 रूपये, फिल्पकार्ड से 9999 रुपये तथा 3800 रुपये कटने का संदेश आया था। कुछ समय के बाद 9999 रुपये वापस आ गए। साइबर थाना पुलिस ने रिंकू गोयल की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ विभिन्न धाराओ के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साइबर थाना के जांच अधिकारी सज्जन सिंह ने बताया कि धोखाधड़ी की शिकायत पोर्टल पर मिली थी। फिलहाल अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

सफीदों: पोल्ट्री कंपनी के साथ 7.75 लाख की ठगी

सफीदों। सफीदों की स्काईलार्क कंपनी के साथ 7.75 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। कंपनी के कर्मचारी कुलबीर निवासी धर्मगढ़ ने सिटी थाना पानीपत में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। कंपनी कर्मचारी कुलबीर ने शिकायत में कहा कि गांव चंदौली (पानीपत) के विकास के विकास पोल्ट्री फार्म व पवार लेयर फार्म के नाम से फर्म हैं। वह सफीदों की स्काईलार्क कंपनी से चूजे लिया करता और करनाल के बैंक आफ इंडिया में उसके खाते से चेक के से भुगतान कर दिया करता था। 1 फरवरी 2020 को आरोपी ने पंवार पोल्ट्री फार्म के लिए 7.75 लाख के चूजे खरीदे। जिनका उसने विक्रेता फर्म को बाबरपुर के केनरा बैंक शाखा का 17 जून 2020 का चेक दे दिया।

सुविधा: डीसी ने संबधित अधिकारियों को दिए सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश

मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत प्लाटों का ड्रा विश्वविद्यालय में कल होगा

प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम 26 जून को रोहतक में होगा, मुख्यमंत्री नायब सिंह मुख्यातिथि होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत सफीदों और जुलाना के आवेदकों द्वारा बुकिंग करवाए गए प्लाटों के नबरों ड्रॉ 24 जून को स्थानीय चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के सभागार में किया जाएगा। प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम 26 जून को रोहतक में आयोजित होगा, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह मुख्यातिथि होंगे। डीसी मोहम्मद इमरान राजा ने अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत सरकार द्वारा चरखी दादरी, फतेहाबाद, झ'जर, जुलाना, पिंजौर, महेंद्रगढ़, सफीदों, सिरसा, गोहाना, जगाधरी और रेवाड़ी शहर के लिए फरवरी 2024 में ऑनलाइन माध्यम से बुकिंग करवाई गई थी। इनमें को घुमंतू जाति, विधवा श्रेणी और अनुसूचित जाति के लोग शामिल थे। उन्होंने बताया कि जिला में जिन लोगों द्वारा प्लाटों के लिए बुकिंग करवाई गई थी, उनका ड्रा चौधरी रणबीर सिंह विवि के सभागार में 24 को निकाला जाएगा। सभी आवेदकों को कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा।

जींद और सफीदों में 255 आवेदकों ने करवाई थी बुकिंग

उपायुक्त ने बताया कि जुलाना में घुमंतू जाति के दो, विधवा श्रेणी में 17, अनुसूचित जाति में 70 अन्य 45 यानी कुल 134 आवेदकों ने बुकिंग करवाई थी। इसी प्रकार से सफीदों में घुमंतू जाति के पांच, विधवा श्रेणी में 27, अनुसूचित जाति में 50 अन्य में 173 और इस प्रकार से कुल 255 आवेदकों ने प्लाटों की ऑनलाइन बुकिंग करवाई थी। इन प्लाटों के नंबर के लिए ड्रॉ 24 जून को निकाला जाएगा। ड्रॉ के पूरे कार्य की वीडियोग्राफी करवाई जाएगी। डीसी ने बैठक में मौजूद अतिरिक्त उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ, डीएमसी वीरेंद्र सेहरावत और एसडीम जींद राकेश सैनी और संबंधित अधिकारियों को इस कार्यक्रम में सभी तैयारियां पूरी करने और आवेदकों को कार्यक्रम में शामिल करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ड्रॉ कार्यक्रम में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। वहीं दूसरी ओर चंडीगढ़ मुख्यालय से मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी उमाशंकर ने भी प्लाटों के ड्रॉ को लेकर जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की यह योजना हाउसिंग फॉर ऑल के उद्देश्य को साकार करने को लेकर है।

नरवाना : गांव की लिंक सड़कों का निर्माण कार्य शुरू: विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

नरवाना हल्के में हर चौथे दिन चारों ओर विकास कार्यों को मंजूरी तो कहीं निर्माण कार्य शुरू हो गए हैं। वहीं गांव भिखेवाला से दनौदा लिंक रोड का 78 लाख 51 हजार रुपए की लागत व नरवाना शहर से बड़नपुर लिंक रोड का 89 लाख रुपए की लागत से निर्माण कार्य प्रारंभ है। यह दोनों कार्य मार्केटिग बोर्ड विभाग के द्वारा किया जा रहा है। इन दोनों सड़कों के निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से ग्रामीणों को काफी लाभ मिलेगा। इसके साथ ही विधायक रामनिवास ने बताया कि नरवाना हल्के में जितने भी गांव हैं सभी को एक दूसरे से जोड़ने के लिए सड़क निर्माण कार्य की योजना है और जल्द ही सभी गांव में बेहतर सड़कें देखने को मिलेगी।

खबर संक्षेप

28 को होगा पेंशन आक्रोश मार्च : लोहान

जींद। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के जिला प्रधान जोगेंद्र लोहान और महिला विंग प्रधान अनुराधा गुप्ता ने कहा कि पूरे हरियाणा प्रदेश में पुरानी पेंशन बहाली के लिए पेंशन आक्रोश मार्च निकाला जाएगा। सर्वप्रथम जींद जिला 28 जून को इसकी शुरुवात करेगा। आक्रोश मार्च बैरागी धर्मशाला सफीदों रोड जींद से शहीदी स्मारक जींद तक निकाला जाएगा।

रितु को सम्मानित करने का दौर जारी

उचाना। एचसीएस परीक्षा में 30वां रैंक प्राप्त करने वाली रितु शर्मा उचाना कलां को सम्मानित करने का दौर जारी है। कांग्रेस सांसद जयप्रकाश ने रितु शर्मा को उसके आवास पर पहुंच कर सम्मानित किया। अर्जुन स्पोर्टस द्वारा भी शीलू श्योकंद की अगुवाई में सम्मानित किया गया। शीलू श्योकंद ने कहा कि रितु शर्मा ने पूरे गांव का नाम रोशन किया है। पूरे गांव को बेटी पर गर्व है।

स्वार्थी इंसान है सांसद जयप्रकाश : हरेंद्र सिंह

उचाना। लोकसभा चुनाव में भाजपा से कांग्रेस में आए बृजेंद्र सिंह के समर्थकों द्वारा भाजपा की मदद करने के लगाए कांग्रेस सांसद जयप्रकाश के आरोपों पर बोलते हुए कांग्रेस नेता हरेंद्र सिंह ने कहा कि जयप्रकाश दुनिया का सबसे बड़ा स्वार्थी इंसान है। चौ. बंसीलाल, चौ. देवीलाल के साथ विश्वाघात करने के बाद जिसने कांग्रेस में रहते हुए 2004 में जयप्रकाश को टिकट दिलाने के लिए जो कांग्रेस हाईकमान के सामने अड़ गया था।

पत्नी से मारपीट करने पर पति समेत तीन नामजद

जींद। गांव धरौदी में पत्नी के साथ मारपीट करने पर सदर थाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांव धरौदी निवासी भारती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके घर पीसी ठीक करने के लिए गांव का सोंटी आया हुआ था। उसके पति सतीश ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी।

कैंसर निःशुल्क जांच शिविर सात जुलाई को

जींद। समाजसेवी संस्था सृष्टि फाऊंडेशन द्वारा आगामी सात जुलाई रविवार को कैंसर के इलाज के लिए विश्व प्रसिद्ध देश के जाने-माने राजीव गांधी कैंसर अस्पताल के सहयोग से स्तन कैंसर, बच्चेदानी का कैंसर व मुख के कैंसर की जांच के लिए निशुल्क जांच शिविर का आयोजन करेगी।

जीवन में कभी घमंड न करें : साध्वी महिमाश्री

उचाना। पुरानी मंडी स्थित तेरापंथ भवन में साध्वी तिलकीश्री ठाणे-3 विराजमान है। निरंतर धर्मसभा का आयोजन हो रहा है। धर्मसभा में बोलते हुए साध्वी महिमा श्री कहा कि जीवन में कभी भी घमंड नहीं करना चाहिए। घमंड की हमेशा हार होती है। इसलिए ताकत, सुंदरता, धन पर कभी घमंड नहीं करना चाहिए। घमंड में कभी अपना सिर ऊंचा न करें क्योंकि खेलों में जीतने वाले भी अपना मेडल झुकर हासिल करते है।

लिव इन रिलेशनशिप कानून रद करे सरकार

जींद। सर्वखाप पंचायत मंच के महासचिव गुरविंदर सिंह संधू ने असमाजिक कानूनों को तुरंत रद्द करने की मांग की है। इन कानूनों में लीव इन रिलेशनशिप है। इस कानून पर किसी भी सभ्य व्यक्ति को शर्म आती है। इस कानून का बच्चों पर बुरा असर पड़ रहा है। सरकार एक तरफ हिंदू का धर्म का प्रचार करती है व विश्वगुरु की बातें करती हैं।

राज्य स्तरीय जयंती समारोह में पहुंचे लोग

जींद । संत महापुरुषों के विचारों को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य को लेकर राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही संत महापुरूष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के तहत शनिवार को गोहाना में आयोजित रा'य स्तरीय संत कबीरदास जयंती समारोह में जिला जींद से लोग उमंग और चाव से पहुंचे। लोगों ने कहा कि संत कबीरदास ने दुनिया को मानवता का पाठ पढ़ाया।

संत शिरोमणि कबीरदास के 627वें प्रकट दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

संत कबीर दास ने मानव जाति के उत्थान के लिए काम किया: सांसद

सांसद ने संत कबीर छात्रावास के लिए 21 लाख की सांसद निधि से अनुदान की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

एससी समाज एकता मंच द्वारा शनिवार को रानी तालाब स्थित अंबेडकर चौक पर संत शिरोमणि कबीरदास के 627वें प्रकट दिवस कर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसमें सोनीपत के नवनिर्वाचित सांसद सतपाल महाराज ने परम संत के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि कबीरदास ने पूरी मानव जाति के उत्थान के लिए काम किया। संत कबीर ने अनेक प्रकार के आडंबर और अंधविश्वास से दूर रहने की प्रेरणा दी। संत कबीर का संदेश आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि जींद में संतों के चौंक प्राथमिकता के आधार पर बनवाए जाएंगे। सांसद ने लगभग एक साल से चल रहे धरना को भी समाप्त करने का सुझाव दिया।

जींद। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सोनीपत सांसद सतपाल ब्रह्मचारी।

जींद। संत कबीर जयंती पर शहर में शोभा यात्रा निकालते स्वामी राघवानंद।

संत कबीर दास प्रकटोत्सव पर लगाया भंडारा

जींद। जिलाभर में शनिवार को संत कबीर साहिब प्रकटोत्सव श्रद्धा से मनाया गया। संतमत धारा सेवा समिति प्रांगण में कबीर साहिब के प्रकट दिवस के अवसर पर सत्संग व विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सैंकड़ों लोगों ने भंडारा ग्रहण किया। संतमत धारा सेवा समिति के प्रधान सेवादार सूर्यदास द्वारा कबीर साहिब के जीवन पर प्रकाश डाला गया व बताया गया कि कबीर साहिब केवल एक जाति के एक देश के गुरु नहीं थे, उनका ज्ञान पूरी मानव जाति के लिए था। उन्होंने पूरी मानव जाति को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया तथा उनके आदशार् व उनके द्वारा दी गई शिक्षा पर चल कर ही मानव जाति का कल्याण संभव है। सूर्यदास ने बताया कि कबीर साहिब ने मनुष्य को अपने जीवन में अध्यात्म को अपनाने पर जोर दिया गया।

कबीर दास की जयंती मनाई

उचाना। बस स्टैंड के सामने स्थित कालोनी में कबीर दास की जयंती हषार्ेल्लास से मनाई गई। युवाओं को कबीर दास के दिखाए मार्ग पर चलने के साथ-साथ उनके द्वारा दी गई शिक्षाओं को जीवन में अपने के लिए प्रेरित किया।

जींद। गांव बहादुरपुर में संत कबीर को नमन करते समाज के लोग।

बहादुरपुर में मनाया संत कबीर प्रकट दिवस

सफीदों । उपमंडल के गांव बहादुरपुर में संत शिरोमणि कबीर महाराज का प्रकट दिवस बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। समाज के लोगों ने संत कबीर की प्रतीमा पर पुष्पाजंली अर्पित करके उन्हे नमन किया। इस मौके पर मा. सुमेर खुंडिया, अजीत पाथरी, एडवोकेट रवि नागर, मनोज, मेजर, राजकुमार, सतीश, कृष्ण, शिवचरण, सावन चौहान, साहिल व मोहित नागर विशेष रूप से मौजूद थे। अपने संबोधन में अतिथियों ने कहा कि संत कबीर दास सन 1398 में वाराणसी में प्रकट हुए। संत कबीर बहुत बड़े विद्वान व समाज सुधारक थे। उन्होंने हमेशा अपनी वाणी में आपसी भाईचारे का संदेश दिया। उनके द्वारा लिखित दोहे वर्तमान समय में भी प्रासंगिक हैं। उनका मानना था कि व्यक्ति की पहचान उसकी जाति से नहीं बल्कि उसके व्यक्तित्व व काबिलियत से होनी चाहिए।

जींद। सम्मेलन में कार्यकर्ताओं के साथ जाते दीपक पिंडारा। फोटो :हरिभूमि

कांग्रेस सम्मेलन में पहुंचे युवा नेता दीपक पिंडारा

- भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए उन्हें पार्टी की आगामी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

निजी होटल में आयोजित हुए कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन की अध्यक्षता पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने की। इस अवसर पर दीपक पिंडारा के नेतृत्व में सैंकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ ढोल व नगाड़े लिए सम्मेलन में पहुंचे। सम्मेलन में शामिल होकर कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा और उत्साह प्रकट किया।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए उन्हें पार्टी की आगामी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने लोकसभा चुनाव में सोनीपत से जीत के लिए सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी और जीत की योजना के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने वादा किया कि विधानसभा चुनाव जीतने के बाद विधवाओं और वृद्ध व्यक्तियों की पेंशन 2750 रुपये से बढ़ा कर 6000 रुपये कर दी जाएगी। कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल की जाएगी और किसानों का कृषि ण माफ कर दिया जाएगा। अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं को पार्टी की मजबूती और संगठन की एकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं का योगदान ही पार्टी की सफलता की कूंजी है। इस आयोजन ने कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। युवा नेता दीपक पिंडारा ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बड़ी जीत हासिल करेगी।

जींद में स्थापित किया जाए बडा उद्योग

- जींद के नौजवानों को रोजगार दिलवाना मुख्य उद्देश्य : वृंदा शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मध्य उत्तरी हरियाणा विकास संगठन की अध्यक्ष वृंदा शर्मा ने गांव खेड़ी तलोड़ा में अपने जनसंपर्क अभियान के तहत लोगों को संबोधित करते कहा कि मध्य उत्तरी हरियाणा विकास संगठन का मुख्य उद्देश्य जिला जींद के नौजवानों को रोजगार दिलवाना है। जन जागरण अभियान के तहत हम गली-गली, गांव, शहर में घूम कर लोगों को जागृत कर रहे हैं। इस अभियान के तहत हमारे पांच मुख्य बिंदु है। उन्होंने कहा कि हमारी पहली मांग जिला जींद को औद्योगिक क्षेत्र बनवाने की है। इसके लिए सरकार जीएसटी घटाए या कम करे। जिला जींद में औद्योगिक क्षेत्र बनवाया जाए, जिससे यहां के नौजवानों को रोजगार मिल सके। हमारा दूसरा मुख्य बिदू यह है कि गोहाना रोड और सफीदों रोड और रानी तालाब, अर्जुन स्टेडियम तथा पुराना बस स्टैंड आदि को मिला कर एक पर्यटन क्षेत्र बनाया जाए। जिससे यहां के नौजवानों को रोजगार मिलेगा और सरकार को टैक्स मिलेगा। इस अवसर पर सत्यवान यादव, अंग्रेज सिंह, सुरेश, सुंदर, ओमपती, सुषमा, बिमला, शिखा, चंद्रो, संतोष, चंद्रपती, ओमी, शीला, सुदेश, पूजा, कृष्णा आदि उपस्थित रहे।

जींद। ग्रामीणों के साथ वृंदा शर्मा। फोटो :हरिभूमि

पूर्णिमा पर बाबा रामवाला मंदिर में लगाया भंडारा

सफीदों। उपमंडल के गांव सिल्लाखेड़ी स्थित बाबा रामवाला मंदिर में जेठ पूर्णिमा के उपलक्ष्य पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मौके पर श्रद्धालुओं ने मंदिर में माथा टेका और अपनी-अपनी मनोकामनाएं मांगी। असंख्य लोगों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर गांव के लहना पंडित, राकेश गुर्रा, प्रकाश जैन, संदीप लाठवाल व प्रेम लाठवाल ने बताया कि बाबा राम वाले मंदिर की दूरदराज तक विशेष मानता है। जो भी यहां पर सच्चे मन से मन्नत मांगता है उसकी मन्नत अवश्य पूरी होती हैं। किसी का दुधारू पशु दूध नहीं देता है तो मंदिर के पास लगते तीर्थ में उसे स्नान करवा दिया जाए तो वह दूध देना शुरू कर देता है। अगर किसी को संतान नहीं होती है तो वह सच्चे मन से विधि अनुसार पूजा-अर्चना करता है तो उसे संतान की प्राप्ति होती है। पूर्णिमा के उपलक्ष्य में नगर के नए बस स्टैंड पर गौभक्तों व मार्किट के दुकानदारों ने कढ़ी चावल का अटूट भंडारा लगाया। इस मौके पर पार्षद दीपक चौहान, विक्रम बंसल, दीपक राणा, रामनिवास शर्मा, विकास मलिक, केशव बंसल, गौरव शर्मा, विनय आदि मौजूद थे।

वेर्टनरी सर्जन परीक्षा में बांगर की बेटी ने पाया नंबर वन रैंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

- वेर्टनरी सर्जन के तौर पर पंचकूला में पशु पालन विभाग में 21 जून को 'वानिंग की
- दो बहनों एवं एक भाई में श्वेता बड़ी

बांगर की बेटी डॉ. श्वेता नैन ने वेर्टनरी सर्जन परीक्षा में नंबर वन रैंक प्राप्त किया। वेर्टनरी सर्जन के तौर पर पंचकूला में पशु पालन विभाग में 21 जून को 'वानिंग की। डॉ. श्वेता नैन के पिता रवि नैन उचाना में मार्केटिंग बोर्ड के एसडीओ के पद पर कार्यरत रह चुके है तो माता गृहणी है। दो बहनों एवं एक भाई में वो बड़ी है। रवि नैन ने कहा कि कभी बेटा-बेटी में फर्क नहीं समझा है। बेटी ने वेर्टनरी सर्जन के पद को लेकर दिए गए टेस्ट में नंबर वन रैंक प्राप्त करके क्षेत्र का नाम रोशन किया है। होनहार बेटी पर गर्व है।

जींद। वेर्टनरी सर्जन परीक्षा में नंबर वन रैंक प्राप्त करने वाली डॉ. श्वेता नैन।

हर किसी को चाहिए कि वो बेटियों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। डा. श्वेता नैन ने बताया कि 10वीं से लेकर डिग्री तक परीक्षाओं में टॉप पर रही है। 10वीं एमडीएन स्कूल नरवाना, 12वीं एसडी मॉडल पब्लिक स्कूल नरवाना के बाद बीबीएससी लाला लाजपत राय यूनिवर्सिटी हिसार से की है। परिवार के सदस्यों का पूरा सहयोग मिला है।

पर्यावरण को बचाने के लिए मूलमंत्र पौधरोपण : मनीष

उचाना। पौधरोपण करके पर्यावरण को बचाने का संदेश हरियाणवी कलाकर मनीष मस्त दे रहे है। वो निरंतर सामाजिक मुद्दों पर हरियाणवी गीत भी गा चुके है। कन्या भ्रूण हत्या, जल बचाओ सहित अन्य सामाजिक मुद्दों पर निरंतर लोगों को जागरूक करते रहे है। निरंतर बढ़ रहे तापमान को कम करने के लिए वो लोगों को पौधरोपण करने के लिए प्रेरित कर रहे है। पर्यावरण बचाने को लेकर पौधें लगाने है पर्यावरण बचाना है ये ही एक मूल है ये ही एक मंत्र है गाना भी गा चुके है। विदेशों में भी वो अपने शो कर चुके है। उचाना कलां में पर्यावरण को बचाने के लिए पौधरोपण करने का संदेशस देने पहुंचे मनीष मस्त ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए एक मूलमंत्र है वो है पौधरोपण। पौधरोपण करके हम पर्यावरण को बचाने का काम कर सकते है। हरियाणा प्रदेश को हरित प्रदेश के नाम से जाना जाता था। आज हरियाणा में पेड़-पौधों की संख्या में कम हो रही है।

जींद। पौधे के साथ पौधरोपण कर पर्यावरण बचाने का संदेश देते मनीष मस्त।

भाजपा सरकार बिना खर्ची और पर्ची के नौकरी देने का कर रही काम : डा. मिड्ढा

- विधायक ने एचसीएस परीक्षा में 13वां रैंक हासिल करने वाले सचिन से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

पिछले दिनों घोषित किए गए एचसीएस व पीजीटी अध्यापक परीक्षा परिणाम में चयनित हुए अभ्यार्थियों से मिलने शनिवार को भाजपा विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा पहुंचे। विधायक ने सबसे पहले डिफेंस कालोनी निवासी सज्जन के बेटे सचिन से मिले और बधाई दी। सचिन ने एचसीएस परीक्षा में 13वां रैंक हासिल किया है। इसके बाद विधायक वार्ड 23 निवासी राममेहर के बेटे उमेश से मिले। उमेश का चयन पीजीटी के लिए हुआ है। दोनों ही परिवारों ने विधायक का स्वागत किया। विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि सरकार ईमानदारी से प्रदेश में काम कर रही है। पहले जहां नौकरियों की बोली लगती थी वहीं अब प्रतिभाओं को सम्मान देने का काम भाजपा सरकार कर रही है। भाजपा सरकार में बिना खर्ची और बिना पर्ची के नौकरियां युवाओं को मिल रही है। विधायक ने कहा कि उमेश जोकि साधारण परिवार से हैं, उनके पिता साइकिल ठीक करने का करते हैं।

जींद। एचसीएच सचिन व उनके परिवार से मिलते विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा।

जींद। सफाई के बाद चकाचक नजर आ रहा रजबाहा रोड। फोटो :हरिभूमि

सात दिनों तक चलेगा मेगा सफाई अभियान

उचाना। नपा एरिया में, शहर के बाजारों में एक सप्ताह तक नपा द्वारा मेगा सफाई अभियान चलाया जाएगा। 21 जून से अभियान की शुरूआत नपा सचिव विक्रमजीत सिंह द्वारा की गई। एक सप्ताह तक सभी 30 सफाई कर्मी शहर में सफाई का कार्य करेंगे। बाजारों में पानी का छिड़काव भी करेंगे ताकि धूल-मिट्टी न उड़े, सड़क चकाचक नजर आए। बारिश के मौसम को देखते हुए नालों की सफाई करेंगे। जो कूड़ा-कर्कट के ढेर बाजारों, गलियों में मिलेंगे उन्हें वहां से उठाएंगे। लोगों को स्वच्छता के लिए जागरूक भी करेंगे। नपा सचिव ने कहा कि हर किसी को चाहिए कि वो अपने शहर को साफ-स्वच्छ रखने के लिए सहयोग करें। दुकान-दुकान पर जाकर दुकानदारों को दुकानों पर डस्टबीन रखे ताकि जो पूरे दिन दुकान पर कूड़ा-कर्कट हो वो उसमें डाल सकें। बाजारों में आने वाली सफाई के लिए ट्रैक्टर-ट्राली में वो कूड़ा-कर्कट डाले। हम सब मिलकर अपने उचाना को साफ, स्वच्छ सुंदर बनाने का काम करेंगे। सात दिनों तक चलने वाले इस मुहिम का हिस्सा हर कोई बने।

सफीदों में विकास कार्यों को लेकर सरकार ने कोई कमी नहीं छोड़ी : राजू मोर

12 सड़कों के चौड़ीकरण पर होंगे करोडों खर्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सफीदों विधानसभा क्षेत्र की 12 सड़कों के चौड़ीकरण और विशेष मरम्मत के लिए प्रदेश सरकार ने करोड़ों रुपये की स्वीकृति दी है। ये सड़कें सीएम घोषणा में शामिल थी। जिन पर 20 करोड़ रुपये से 'यादा की राशि खर्च होगी। भाजपा जिलाध्यक्ष राजू मोर ने इन सड़कों के चौड़ीकरण व विशेष मरम्मत के लिए प्रस्ताव सरकार को भिजवाए थे। इन सड़कों के निर्माण से कई गांवों के लोगों को फायदा होगा। राजू मोर ने कहा कि सफीदों में विकास कायोर् को लेकर भाजपा सरकार ने कोई कमी नहीं छोड़ी है। विपक्ष का विधायक होने के बावजूद सफीदों में काफी विकास कार्य भाजपा सरकार ने करवाए हैं। सड़कों को चौड़ा करने, खेतों के कच्चे रास्तों को पक्का करने, गांवों की फिरनी पर एलईडी लाइट लगाने जैसे कार्य करवाए जा रहे हैं। भाजपा मीडिया प्रभारी मनीष ऊर्फ बबलू गोयल ने बताया कि भाजपा जिलाध्यक्ष के प्रयासों से सफीदों के साथ साथ जिले की बाकी विधानसभा क्षेत्रो में करोड़ों रुपये की विकास परियोजना सिरे चढ़ी हैं।

ये हैं सड़कें शामिल

जामनी-रिटौली से बनियाखेड़ा और तेलीखेड़ा तक सड़क के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण दो करोड़ 52 लाख 86 हजार रुपये से होगा। भुसलाना से डिडवाड़ा रोड का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण दो करोड़ 44 लाख रुपये से होगा। लुदाना से निजामपुर रोड की विशेष मरम्मत एक करोड़ 10 लाख 54 हजार रुपये से होगा। ढाठरथ से रायचंदवाला रोड के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के लिए एक करोड़ 74 लाख 82 हजार रुपये से होगा। रत्ताखेड़ा से सिंगपुरा रोड की विशेष मरम्मत एक करोड़ 11 लाख 16 हजार रुपये से होगा। रजाना कलां से मुआना रोड के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण दो करोड़ छह लाख 85 हजार रुपये, धड़ौली से गांगोली रोड तक स्पेशल रिपेयर 91 लाख 79 हजार रुपये से होगी। खरकड़ा से बहादुरपुर रोड के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण एक करोड़ 28 लाख 65 हजार रुपये से होगा। जींद-सफीदों रोड से शीलाखेड़ी स्कूल रोड तक चौड़ीकरण और मजबूतीकरण पर 92.24 लाख रुपये से होगा। सरफाबाद से जागसी रोड के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण दो करोड़ 60 हजार रुपये से होगा। ढाठरथ से खरकगादिया रोड के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण एक करोड़ 43 लाख 21 हजार रुपये से होगा। हाडवा से बागडू रोड के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण दो करोड़ 97 लाख 78 हजार रुपये से होगा।

जींद। एसडी कन्या महाविद्यालय में योग करते हुए। फोटो :हरिभूमि

एसडी कन्या महाविद्यालय में योग कार्यक्रम

उचाना। सनातन धर्म कन्या महाविद्यालय उचाना मंडी में योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. दर्शना ने की। संस्था निदेशक विनोद कुमार वशिष्ठ के निर्देशन में शारीरिक शिक्षक प्रवक्ता रेनू ने छात्राओं को योग के फायदों के बारे में बताया। डा. दर्शना छात्राओं को दैनिक जीवन में योग के महत्व के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। राष्ट्रीय सेवा योजना इंचार्ज 'योति ने छात्राओं को महिलाओं की समाज में भूमिका के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। मंजू ने बताया कि योग के द्वारा हम अपने शरीर व मस्तिष्क को स्वस्थ रख सकते हैं। योग एक ऐसा माध्यम है जिससे अनेक बीमारियों का भी इलाज किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

तपती गर्मी में मीठे ठंडे पानी की लगाई छबील

पूंडरी। मेन बाजार पूंडरी में अनेक युवाओं ने मीठे ठंडे पानी की छबील लगाई। इस मौके पर आने-जाने वाले वाहन चालकों व राहगीरों को रोककर इस तपती गर्मी में अपने हाथों से ठंडा व मीठा पानी पिलाकर उनकी प्यास बुझाई। इस मौके पर बाबू मिगलानी ने कहा कि गर्मी के तपते मौसम में यदि किसी व्यक्ति को ठंडे पानी की बूंद भी मिल जाए तो वह भी अमृत के सामान लगती है। उन्होंने युवाओं को समाज के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि सामाजिक कार्य करने में जो आनंद व शांति मिलती है वह अन्य कहीं प्राप्त नहीं हो सकती है।

संपूर्ण टीकाकरण हर बच्चे का अधिकारः सीएमओ

कैथल। सीएमओ डॉ. रेणु चावला ने बताया कि संपूर्ण टीकाकरण हर बच्चे का अधिकार है। जन्म से 5 वर्ष तक के बच्चों को 7 बार टीकाकरण करवाया जाता है। जो बच्चे किसी कारणवश किसी भी टीके से छूट गए हैं, उनके लिए स्पैशल टीकाकरण सप्ताह 24 से 29 जून 2024 तक चलाया जा रहा है, जिसमें जन्म से लेकर 5 वर्ष तक बच्चों व गर्भवती महिलाओं तथा 10 व 16 वर्ष के किशोरो का टीकाकरण किया जाएगा। सीएमओ डॉ. रेणु चावला ने बताया कि इस अभियान के दौरान हाई रिस्क एरिया भठठो पर स्पैशल टीकाकरण कैंपों का आयोजन करवाया जाएगा। ऐसे लाभार्थी जिनका कोई भी टीका छूट गया है टीकाकरण साईट पर जाकर अपना टीकाकरण पूरा करवा सकते है।

कारगिल सिल्वर जुबली यात्रा का भव्य स्वागत

राजौंद। कारगिल सिल्वर जुबली यात्रा का राजौंद में पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। वहीं शहीद सफाई सिया राम का राजौंद सरकारी स्कूल में शहीद स्मारक स्थापित कर श्रद्धांजली दी गई। राजौंद के राजकीय संस्कृति माडल स्कूल का नाम बदलकर शहीद सिपाही सिया राम राजकीय संस्कृति माडल रखा गया। पूर्व सैनिक वेल्फेयर एसोसिएशन की पूरी टीम के साथ साथ परिवार व अन्य लोगों ने इस समारोह में शामिल होकर श्रद्धांजली दी।

सरोवर स्नान, भंडारा, कथा और हरियाणवी संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम

ज्येष्ठ मास पूर्णिमा अवसर पर धार्मिक कार्यक्रमों की रही धूम

मंदिर के पुजारी संजय शास्त्री और अनिरुद्ध गौतम ने श्रद्धालुओं को पूर्णिमा महात्मय की कथा सुनाई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कलायत के प्राचीन श्री कपिल मुनि धाम सरोवर तट पर शनिवार को ज्येष्ठ मास पूर्णिमा अवसर पर धार्मिक कार्यक्रमों की धूम रही। भक्ति भाव से महिलाएं इस कदर उत्साहित दिखी कि वे झूमने से खुद को नहीं रोक पाई। भगवान कपिल वंदना के साथ आयोजन की शुरूआत हुई। उपरांत सरोवर स्नान, भंडारा, कथा और हरियाणवी संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम हुए।

इस दौरान मुख्य रूप से सरोवर में स्वच्छ जल भराव व गंदे पानी की निकासी का मुद्दा उछला। मंदिर के पुजारी संजय शास्त्री और अनिरुद्ध गौतम ने श्रद्धालुओं को पूर्णिमा महात्मय की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि हर माह में एक बार पूर्णिमा तिथि आती है। पूर्णिमा शुक्ल पक्ष का आखिरी दिन होता है। शास्त्रों में पूर्णिमा के व्रत का विशेष महत्व माना गया है। पूर्णिमा के दिन लक्ष्मी नारायण के अलावा चंद्रमा की पूजा की जाती है।

इस दिन महिलाएं अपने पति की दीघार्यु और अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए वट पूर्णिमा का व्रत रखती हैं। वट पूर्णिमा का व्रत वट अमावस्या के समान पुण्यदायी माना गया है। इसे भी वट सावित्री व्रत कहा जाता है। धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मेले का भी आयोजन हुआ। इसमें महिलाओं और बच्चों ने जमकर खरीददारी की।

कलायत। प्राचीन श्री कपिल मुनि मंदिर में भक्ति भाव में विभोर होकर खुशी जाहिर करती महिलाएं। *फोटो : हरिभूमि*

कलायत। कलायत के प्राचीन कपिल मुनि मंदिर में पूजा अर्चना करती महिलाएं। *फोटो : हरिभूमि*

शिव मंदिर में धार्मिक कार्यक्रम आयोजन

कलायत के गांव बालू की बिढाण पट्टी स्थित शिव मंदिर आश्रम में वार्षिक भंडारे का आयोजन किया गया। आश्रम महंत राणा नाथ ने बताया कि आश्रम में हर वर्ष वार्षिक उत्सव व भंडारे का आयोजन किया जाता है। उत्सव में हवन और धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। साथ ही साधु-संतों की उपस्थिति भी रही। इनमें वार्षिक भंडारे में महंत अशोक पुरी, महंत मथुरा पुरी, बात्ता डेरा महंत नरेश पुरी, राजौंद से बाबा मुकेश नाथ, पिहोवा से महंत ईश्वर नाथ सहित बड़ी संख्या में संत महंत शामिल रहे।

महंत राणा नाथ ने कहा कि नाथ संप्रदाय के रीति अनुसार सभी धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। भंडारे के आरंभ करने से पूर्व हवन में पूणार्हूति डाली गई। उसके बाद कन्या भोजन करवा कर महंत-संतों को भंडारे में भोजन करवाया गया। इसके बाद गृहस्थों ने भंडारे के प्रसाद को ग्रहण किया।

योग को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान

पूंडरी। चौधरी ईश्वर सिंह कन्या कालेज में योग सिखाती छात्राएं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

- ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय में मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर चौधरी ईश्वर सिंह कन्या महाविद्यालय पूंडरी में शारीरिक शिक्षा विभाग व राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में योग दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें 45 छात्राओं व 10 प्राध्यापिकाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्त्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्या डॉक्टर मधुबाला द्वारा दिए गए संदेश के द्वारा किया गया। अपने वक्तव्य में प्राचार्या ने छात्राओं को बताया कि हमें योग को तथा उसके विभिन्न नियमों को अपने जीवन में धारण करना चाहिए। अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने का प्रयास करें। इसके पश्चात कार्यक्त्रम की संयोजिका डॉ. प्रेमलता के निर्देशन में छात्राओं द्वारा सर्वप्रथम शपथ ली गई। उसके पश्चात योगाभ्यास में निपुण छात्राओं के अनुकरण के माध्यम से योग करवाया गया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर छात्राओं ने पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग तथा भाषण प्रतियोगिताओं में भी बढ़ चढ़कर भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में स्लोगन राइटिंग में वंदना तथा पोस्टर मेकिंग में स्वाति और मुस्कान ने, भाषण प्रतियोगिता में स्वाति ने पुरस्कार जीते। इस मौके पर एनएसएस अधिकारी डॉ. सोनिया दहिया, डॉ. रीना गोरा, संगीता, पिंकी, निर्मल, किरण, अमरजीत व सुनीता भी मौजूद थे।

जिला कुमार व जिला केसरी दंगल का 24 और 25 को होगा आयोजन

- सर छोटू राम इंडोर स्टेडियम में पुरूष व महिला वर्ग में जिला स्तरीय कुश्ती अखाड़ा प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र ने बताया कि सैक्टर 21 स्थित सर छोटू राम इंडोर स्टेडियम में 24 व 25 जून को पुरूष व महिला वर्ग में जिला स्तरीय कुश्ती अखाड़ा प्रतियोगिता, जिला कुमार व जिला केसरी दंगल का आयोजन करवाया जाएगा। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जो पहलवान विजेता होंगे, वे राज्य स्तरीय कुश्ती अखाड़ा, कुमार एवं केसरी दंगल में भाग लेंगे। प्रतियोगिता में जिला में विभागीय प्रशिक्षकों के कुश्ती केंद्रों, निजी कुश्ती प्रशिक्षण केंद्रों, शिक्षण संस्थाओं तथा कर्मचारी इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले पहलवानों द्वारा अपने जिला से संबंधित दस्तावेज जैसे रिहायशी प्रमाण-पत्र या बिजली का बिल, ड्राईविंग लाईसैंस, पासपोर्ट तथा बैंक अकाउंट की कॉपी दिखानी होगी। पहलवान की जन्म तिथि अंडर-17 के लिए जनवरी 2007 से मान्य होगी तथा अंडर-21 के लिए जनवरी 2003 से मान्य होगी। इस वर्ष पुरूष वर्ग हेतू फ्री स्टाईल ग्राकों रोमन में अंडर-17 जूनियर व सीनियर श्रेणी में कुल 60 वजन वर्ग, आयु वर्ग, वेट कैटेगरी में की जाएगी। जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी देवेंद्र ने बताया कि कैटेगरी अंडर-17 फ्री स्टाईल पुरूष, ग्रीको रोमन पुरूष के अंतर्गत वजन वर्ग 41-45, 48, 51, 55, 60, 65, 71, 80, 92, 110 किलोग्राम, जुनियर अंडर-21 वर्ष पुरूष वजन फ्री स्टाईल के वजन वर्ग में 57, 61, 65, 70, 74, 79, 86, 92, 97, 125 किलोग्राम, जुनियर अंडर-21 वर्ष पुरूष वजन ग्रीको रोमन के वजन वर्ग में 55, 60, 63, 67, 72, 77, 82, 87, 97, 130 किलोग्राम, सीनियर पुरूष वजन फ्री स्टाईल के वजन वर्ग में 57, 61, 65, 70, 74, 79, 86, 92, 97, 125 किलोग्राम, सीनियर पुरूष वजन ग्रीको रोमन के वजन वर्ग में 55, 60, 63, 67, 72, 77, 82, 87, 97, 130 किलोग्राम शामिल किए गए हैं। पुरूष वर्ग में जिला कुमार (फ्री स्टाईल तथा ग्रीको रोमन) में 74 किलोग्राम भार तक तथा जिला केसरी हेतू 74 किलोग्राम भार से ऊपर वजन के पहलवान भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि महिला पहलवानों की कुश्ती अखाड़ा प्रतियोगिता जिला कुमारी दंगल व जिला केसरी दंगल प्रतियोगिता आयु वर्ग व वेट कैटेगरी अनुसार करवाई जाएगी।

भाजपा का हर कार्यकर्ता पार्टी के प्रति समर्पित : देवीदयाल

- पूंडरी अनाज मंडी में करोड़ा मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी अनाज मंडी में करोड़ा मंडल के भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता मंडल के अध्यक्ष देवीदयाल बरसाना ने की। बैठक को संबोधित करते हुए बरसाना ने कहा कि भाजपा पार्टी का हर कार्यकर्ता पार्टी के प्रति समर्पित है। जिसकी वजह से लोकसभा चुनाव में विपक्ष के झूठे भ्रामक प्रचार की भाजपा के सत्ता में आने से संविधान बदल दिया जाएगा के बावजूद भी पार्टी प्रदेश की पांच सीटों को जीत पाई है। जो कि कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और पार्टी की नीतियों की बदौलत हुआ है। भाजपा हमेशा से भारत के गौरवमयी संविधान का पालन करते आई है, लेकिन जब विपक्ष के सरकार के खिलाफ बोलने के लिए कोई मुद्दा नहीं था तो संविधान को खतरा की बात को फैला दिया। प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में विकास को नई गति प्रदान कर रही है। चुनाव के बाद भी अन्य दलों के नेताओं का पार्टी में आने का सिलसिला जारी है। जनता कांग्रेस के उस शासनकाल को नहीं भूली है, जिसमें आए दिन बड़े-बड़े नेताओं के घोटाले सामने आ रहे थे, भ्रष्टाचार चरम सीमा पर था। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर लोगों को पार्टी की नीतियों से अवगत करवाने का आह्वान किया। इस मौके पर बलवंत भाणा, मनोज कुमार अत्री, कृष्ण प्रजापति, सुरेश बरसाना, राजेश बनवाला, मन्नू वालिया व अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

पूंडरी। भाजपा मंडल की बैठक में भाग लेते हुए कार्यकर्ता। *फोटो : हरिभूमि*

सर्वसम्मति से हिशम सिंह बुक्कल गुरु रविदास सभा के प्रधान नियुक्त

- पंकज रंगा को उप-प्रधान, हिशम सिंह रंगा को कोषाध्यक्ष बनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

गुरु रविदास सभा पूंडरी में समाज के लोगों की बैठक गुरु रविदास मंदिर में हुई। जिसकी अध्यक्षता सभा के संरक्षक पूर्व आईजी हरीश कुमार रंगा ने की।

जिसमें समाज के गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में सलाह मशवरा करने के बाद सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें हिशम सिंह बुक्कल को सर्वसम्मति से सभा का प्रधान, पंकज रंगा को उप-प्रधान, हिशम सिंह रंगा को कोषाध्यक्ष, जितेंद्र कुमार को सचिव बनाया गया। शेष कार्यकारिणी गठन करने का अधिकारी भी प्रधान को दिया गया। संरक्षक हरीश कुमार रंगा ने कहा कि सभा का उद्देश्य समाज को संगठित रखना है और समाज के उत्थान के लिए कार्य करना है। नवनियुक्त प्रधान हिशम सिंह बुक्कल ने कहा कि समाज ने उन्हें जो जिम्मेवारी सौंपी है, उसे वे पुरी ईमानदारी, निष्ठाभाव से निभाएंगे। मंदिर के विकास और समाज के हित के लिए कार्य करेंगे। सभी सभा पदाधिकारियों को साथ लेकर जो समाज हित में फैसले होंगे, वहीं लिए जाएंगे। इस मौके पर काफी संख्या में समाज के लोग भी मौजूद थे।

पूंडरी। बैठक में मौजूद गुरु रविदास सभा के कार्यकर्ता। *फोटो :हरिभूमि*

योग थीम पर दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ढांड

बाबू अनन्त राम जनता महविद्यालय, कौल में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं स्टूडेंट वेल्फेयर प्रकोष्ठ द्वारा प्राचार्य डॉ.ऋषिपाल के निर्देशन में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 'महिला सशक्तिकरण के लिए 'योग' थीम पर दो दिवसीय राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफल आयोजन 20 से 21 जून, तक किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई की कार्यक्रम अधिकारी व प्रतियोगिता की संयोजिका डॉ.सोनिया रानी ने बताया कि इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के कुल 276 प्रतिभागियों ने उक्त प्रतियोगिता में बहुत ही मनोयोग, उत्साह व रूचि के साथ सक्रिय भाग लिया। कहा कि 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 242 प्रतिभागियों को ई-मेल के माध्यम से प्रतिभागिता के प्रमाण पत्र प्रेषित किए गए। मुख्य उद्देश्य छात्रों को योग की क्रियाओं एवं विभिन्न आसनों के महत्व से अवगत कराना था। और ऑनलाइन गतिविधियों के बारे में जागरूक करना भी था।

प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल

कार्यकर्ता जितना निष्ठावान होगा पार्टी का प्रचार व प्रसार उतना ही अधिकः देवेन्द्र हंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीवन

कांग्रेस के कार्यकर्ता सम्मेलन के लिए सीवन से कांग्रेस कार्यकर्ता देवेन्द्र हंस की अध्यक्षता में रवाना हुए। रवाना होने से पूर्व पत्रकारों से बात करते हुए देवेन्द्र हंस ने कहा कि कार्यकर्ता किसी भी पार्टी की रीढ़ की हड्डी होते हैं। बिना ईमानदार और निष्ठावान कार्यकर्ता के कोई भी पार्टी आगे नहीं बढ़ सकती है। कार्यकर्ता जितना निष्ठावान होगा पार्टी का प्रचार व प्रसार उतना ही अधिक होगा। उन्होंने कहा कि अब विधानसभा चुनाव में अधिक समय नहीं बचा है और सभी कार्यकर्ता पार्टी के प्रचार के लिए और पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने के लिए जुट जाएं। आने वाला समय कांग्रेस का है यह तो लोकसभा चुनाव के परिणाम से तय हो चुका है। अब तो प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आएगी और लोगों को लंबा इंतजार भी समाप्त होगा। इस अवसर पर उनके साथ अधिवक्ता गौरव वधवा, नरेन्द्र शर्मा चीका, अजय सैनी, राम निवास कुंडू, कर्मवीर, रामफल, हंस राज, धर्मपाल, राहुल राणा, बलदेव प्रकाश, अनिल राणा, नरेश सिंगला, शमशेर फिरोजपुर, राजिन्द्र शर्मा, पिरथी सैनी, राजेश चीका, गगन भट्ट, रमेश पुनिया व अन्य मौजूद थे।

सीवन। कार्यकर्ता सम्मेलन के लिए रवाना होते कांग्रेस कार्यकर्ता।

नशा जागरूकता मुहिम के साथ तस्करों पर शिकंजा कस रही पुलिस

जागरूक कर नशा न करने की शपथ दिलाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

जिला पुलिस द्वारा आमजन को नशा ना करने बारे जागरूक करने के साथ साथ नशा तस्करों पर शिकंजा कसते उनको सलाखों पीछे भेजने का काम किया जा रहा है। इसके साथ साथ न्यायालय में मामले की मुस्तैदी से पैरवी करके उचित साक्ष्य जुटाकर नशा तस्करों को सजा भी दिलवाई जा रही है। जो वर्ष 2024 दौरान न्यायालय में नशा तस्करी के 57 मामले डिसाइड हुए जिनमें 48 मामलो में नशा तस्करों को सजा सुनाई गई। जिनमें से एक मामले में एक आरोपी को न्यायालय द्वारा 10 साल कारावास व 1.5 लाख रुपए जुमार्ने का सजायाब किया गया, जो उक्त मामले में 27 नवंबर 2020 को थाना राजौंद पुलिस द्वारा आरोपी अर्जुन नगर कैथल निवासी रामकुमार को गांव किच्छाना से 100.41 ग्राम अफीम सहित काबू किया गया था। डीएसपी कुलदीप बेनीवाल ने नशा तस्करों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि या नशा तस्कर इस घृण कृत्य को छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल को अन्यथा उनकी जगह सलाखों पीछे है। डीएसपी कुलदीप बेनीवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि नशा मुक्त भारत पखवाड़े दौरान आए दिन जिला पुलिस द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके आमजन को नशा ना करने बारे जागरूक किया जा रहा है। जो नशा जागरूकता टीम में शामिल एसआई कर्मबीर सिंह,एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील कुमार, महिला सिपाही, मनीषा व सुमन तथा होमगार्ड गुरदेव तथा एसएचओ थाना ट्रैफिक एसआई रमेश कुमार की टीम द्वारा कैथल शहर में वाहन चालको सहित आमजन को नशा ना करने बारे जागरूक करके नशा ना करने की शपथ दिलवाई गई।

कैथल। युवाओं को नशा से दूर रहने बारे जागरूक करते पुलिस कर्मचारी। *फोटो :हरिभमि*

धान फसल में एमएसपी कम : चहल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

गांव नीम वाला में किसान मजदूर कमेरा वर्ग की बैठक महावीर चहल की अध्यक्षता में की गई। इस दौरान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष महावीर चहल ने कहा कि केंद्र सरकार ने धान की एमएसपी में बढ़ोतरी की है जो बहुत ही कम है। उन्होंने कहा कि 117 रुपए की बढ़ोतरी पर किसानों को कोई फायदा नहीं मिलने वाला। किसान नेता ने कहा कि डीजल के दाम महंगे होने के कारण महंगाई लगातार बढ़ती ही जा रही है खाद, बीज, कीटनाशक दवाइयों के रेट आसमान छु रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो कीटनाशक दवाई एक वर्ष पहले 400 रुपए की आती थी वहीं कीटनाशक दवा के रेटों में बढ़ोतरी के चलते 1200 रुपए के करीब पहुंच गए हैं। केंद्र सरकार की गलत नीतियों की वजह से किसानों की कमर टुट चुकी है।

किसान नेता ने कहा कि मोदी सरकार कहती थी कि हम 2022 में किसानों की आय डबल कर देंगे, लेकिन कुछ नहीं हुआ। धान के सीजन के लिए जो बढ़ोतरी केंद्र की मोदी सरकार ने की है वह ऊट के मुंह में जीरे के समान है। आज महंगाई की दर आज 8 प्रतिशत से भी ज्यादा बताई जा रही। हम सरकार से मांग करते हैं कि जीरी व धान के रेटों में बढ़ोतरी करने के लिए दोबारा सोच विचार करके धान की ए ग्रेड का रेट 2600 रुपए प्रति क्विंटल किया जाएं।

राजौंद। गांव नीम वाला में किसान यूनियन के पदाधिकारी बैठक के दौरान।

खबर संक्षेप

पॉकेट मनी जमा कर बच्चों ने लगाई छबील

उचाना। शहर की पुलिस चौकी के पास बच्चों द्वारा मिलकर राहगीरों, दुकानदारों, वाहक को ठंडा मीठा पानी के अलावा जलजीरा पिलाया गया। बच्चों द्वारा पाकेट मनी से इक्ट्ठा की राशि से ठंडे मीठे पानी की छबील लगाई। सबसे बड़ी बात ये रही कि स्वच्छता का संदेश देते हुए जो पानी के डिस्पोजल गिलास थे उनको एक जगह डालने के लिए खाली ड्रम रखा हुआ था। इस मौके पर भावुक, देव, पुलकित, सचित, नीरज, नव्या, वंशिक, कनिका, रूद्र, गर्वित मौजूद रहे।

मारपीट व छेड़खानी के आरोप में तीन पर केस

कैथल। जिले के एक गांव में तीन आरोपियों ने एक युवक से मारपीट की। विरोध करने पर आरोपियों ने उसकी बहन से छेडखानी की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। एक युवती ने पुलिस को शिकायत दी कि 20 जून को वह अपने भाई के साथ गली में जा रही थी। वहां पर आरोपी आशीष, विजय व राकेश ने उसके भाई से मारपीट की। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ भी छेडखानी की। जांच अधिकारी बबीता ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दुष्यंत से दिल्ली आवास पर मिले कार्यकर्ता

उचाना। उचाना हलके के विभिन्न गांवों से जेजेपी पदाधिकारी, कार्यकर्ता दिल्ली पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक दुष्यंत चौटाला के आवास पर पहुंचे। यहां पर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कार्यकर्ताओं के साथ दुष्यंत चौटाला ने की। लोकसभा चुनाव में रहे परिणाम को भूलते हुए नए सिरे से नए जोश के साथ संगठन के लिए काम करने की बात दुष्यंत चौटाला ने कहते हुए कहा कि 25 जून को रजबाहा रोड स्थित जेजेपी कार्यालय में कार्यकर्ताओं की हलकास्तरीय मीटिंग लेंगे। संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ जो-जो काम जेजेपी ने सत्ता में हिस्सेदार रहते हुए करवाए है उनके बारे में जन-जन को बताएंगे।

राष्ट्रीय बाल पुरस्कार को 31 जुलाई तक आवेदन

जींद। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग की तरफ से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक नामांकन मांगे हैं। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि इनमें राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के तहत बहादुरीए खेलकूदए सोशल साइंसए विज्ञान एवं तकनीक पर्यावरण सहित आर्ट एवं कल्चर के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि हासिल करने वाले बच्चेए जिनकी आयु 31 जुलाई को पांच वर्ष से लेकर 18 वर्ष तक हो, को वर्ष 2025 के जनवरी माह में आयोजित होने वाले समारोह में राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। अवार्ड की घोषणा 26 दिसंबर 2024 को राष्ट्रीय वीर बाल दिवस के अवसर पर की जाएगी। डीसी ने बताया कि बाल पुरस्कार को दो श्रेणियों में दिए जाएंगे।

पूर्व सीएम ने विधानसभा चुनाव के लिए लगाई वादों की झड़ी

एक मोर्चा जीता, असली मोर्चा तीन महीने बाद : भूपेंद्र हुड्डा

भाजपा सरकार की नाकामियों को घर-घर पहुंचाने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

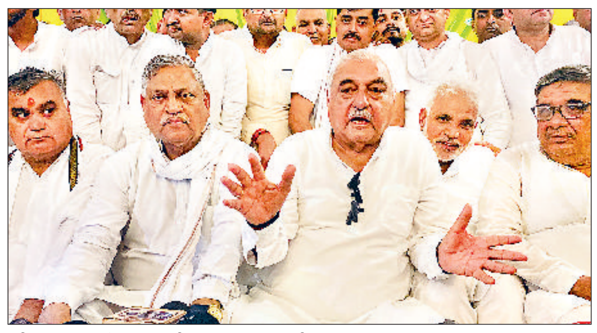

जींद। पत्रकारों से बातचीत करे हुए पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा। फोटो : हरिभूमि

मंच पर लगा बैनर, जिस पर सांसद कुमारी शैलजा की फोटो नही है।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरियाणा विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कार्यकर्ताओं ने लोकसभा चुनाव का एक मोर्चा जीत लिया है। अब तीन महीने बाद असली मोर्चा आने वाला है। कार्यकर्ता भाजपा सरकार की विफलताओं को घर-घर पहुंचाएं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेद्र हुड्डा शनिवार को लोकसभा चुनाव में तीनों लोकसभा सीट सोनीपत, हिसार और सिरसा पर कांग्रेस की जीत के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं का धन्यवाद कर रहे थे। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष उदयभान, सोनीपत से सांसद सतपाल ब्रह्मचारी, हिसार से सांसद जयप्रकाश, सफीदों के विधायक सुभाष गांगोली, पूर्व मंत्री आनंद सिंह दांगी, भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पूर्व राजनीतिक सलाहकार प्रोफेसर वीरेंद्र मुख्य रूप से मौजूद थे। भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि जींद अकेला ऐसा जिला है जिसके तीन सांसद चुने जाते हैं। तीनों सीटों पर कांग्रेस की जीत निश्चित तौर पर एक बड़ी उपलब्धि है और यह नतीजा रंग लाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने एक मोर्चा जीत लिया है और तीन महीने बाद असली मोर्चा आने वाला है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वह तीन महीने के दौरान घर-घर जाकर भाजपा सरकार की विफलताओं की जानकारी लोगों को दें। उन्होंने कहा कि दस साल पहले हरियाणा खेलों, प्रति व्यक्ति आय में नंबर वन था। आज हरियाणा महंगाई और अपराध में नंबर वन है। उन्होंने कहा कि जब कार्यकर्ता लोगों के पास घर-घर जाएंगे तो लोग यह भी कहेंगे कि ठीक है वर्तमान सरकार ने कुछ नहीं किया तो कांग्रेस क्या करेगी। पूर्व सीएम ने कहा कि पूरा चुनाव घोषणा पत्र तैयार होने में समय लगेगा लेकिन कुछ मोटी-मोटी बातें हैं, बुढ़ापा पेंशन छह हजार रुपये की जाएगी, तीन सौ यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी, गैस सिलेंडर पांच सौ रुपये में मिलेगा, दो लाख तक की नौकरी दी जाएगी, पुरानी पेंशन योजना बहाल की जाएगी, 25 लाख तक का इलाज फ्री किया जाएगा और सौ-सौ गज के प्लाट और मकान बना कर दिया जाएगा। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार ने 2022 तक किसानों की आय दोगुणा करने का वादा किया था लेकिन सरकार आय को दोगुणा तो नहीं कर पाई लेकिन किसान की लागत जितनी बढ़ रही है उस अनुपात में फसल के दम नहीं बढ़ा पा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले साल की तुलना में धान के दाम में पांच फीसद का इजाफा किया है, जबकि किसान की लागत बीस प्रतिशत बढ़ गई है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने कहा कि जींद जिले में पिछले विधानसभा चुनाव में जेजेपी को समर्थन दिया था लेकिन जेजेपी ने लोगों के विश्वास के खिलाफ जाकर भाजपा की सरकार बनाने का काम किया जिससे खफा होकर लोकसभा चुनाव में जिले की जनता ने पांचों विधानसभा क्षेत्र में जेजेपी उम्मीदवारों की जमानत जप्त करवा दी। उन्होंने कहा कि जींद की जनता कांग्रेस पर इसी प्रकार का आशीर्वाद बनाए रखें और भाजपा का तंबू उखाड़ फेंकने का काम करे। उन्होंने कहा कि बिहार, गुजरात के गोधरा और हरियाणा के झ'जर में नीट के पेपर लीक हुए और बिके। झ'जर में एक केंद्र के सात टॉपर बने हैं जो सही नहीं लगते। उन्होंने कहा कि हरियाणा में 33 बार पेपर लीक हुए और देश में पेपर लीक के कारण दो करोड़ युवाओं के साथ भाजपा ने विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में अपराधों का बोलबाला है और इस बात का प्रमाण यह है कि प्रदेश के पांच विधायकों को विरोधी और जान से मारने की धमकियां तक मिल रही है। भाजपा सरकार की नाकामी के कारण नशे की लत बढ़ रही है।

हिसार से सांसद जयप्रकाश ने कहा कि उन्हें टिकट नहीं मिलने वाली थी लेकिन भूपेंद्र सिंह ने पार्टी हाई कमान से यह कहवाया कि टिकट मेरिट के आधार पर दी जाएगी और जब टिकट मेरिट के आधार पर देने की बात हुई तो उनकी और सतपाल ब्रह्मचारी की टिकट पक्का हुई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ही सबसे पहले पिछड़ा वर्ग ए श्रेणी से राज बब्बर को टिकट देने का काम किया। उन्होंने राव दान सिंह की टिकट का भी स्वागत किया और कहा कि राव दान सिंह पांच लाख वोटों की हार को चालीस हजार पर लेकर आए। उन्होंने कहा कि जींद की जनता ने हमेशा घमंडियों का घमंड तोड़ने का काम किया है।

सोनीपत से सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने पूर्व सीएम, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और अन्य सभी नेताओं का स्वागत किया।

साफ झलकी गुटबाजी, सांसद सैलजा का फोटो गायब

कांग्रेस में गुटबाजी अपने चरम पर है। कोई नेता नकारे लेकिन यह सही है। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने तीनो लोकसभा सीटें कांग्रेस को जिताने पर जींद जिले की पांच विधानसभा के सभी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया। मंच पर लगे बैनर से सिरसा से सांसद कुमारी शैलजा का फोटो गायब था। बैनर पर ऊपर केंद्रीय नेताओं के फोटो लगे थे नीचे पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा, प्रदेश अध्यक्ष उदयभान, सांसद दीपेंद्र हुड्डा, जयप्रकाश और सतपाल ब्रह्मचारी की फोटो लगाई गई थी। जिले के एकमात्र कांग्रेस विधायक सुभाष गांगोली का फोटो भी लगा था। अब सवाल यह उठता है कि जींद जिले की सांसद कुमारी शैलजा की फोटा लगाने में आखिर क्यों परहेज किया गया। जबकि रोहतक के सांसद दीपेंद्र हुड्डा की फोटो लगाई गई। बहुत से कार्यकर्ता ऐसे भी थे जो यह चाहते थे कि कुमारी शैलजा की फोटो नहीं लगा कर और उन्हें कार्यक्रम में नही बुला कर कांग्रेस की गुटबाजी को हवा दी गई है।

कैथल। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हमारी सरकार में हुआ था कैथल का कायाकल्प

- भीषण गर्मी में दिखा कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जोश, हुड्डा और उदयभान ने दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

लोकसभा की जीत से संतुष्ट होकर घर नहीं बैठना है, बल्कि पहले से ज्यादा उत्साह और समर्पण के साथ जनसंपर्क करना है। अगर जनता की सरकार बनानी है तो जनता के बीच रहना होगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को ये संदेश दिया है पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी उदयभान ने। दोनों नेता आज धन्यवादी कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करने पहुंचे थे। इस मौके पर नवनिर्वाचित सांसद जयप्रकाश जेपी और पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ हजारों की तादाद में कार्यकर्ता मौजूद रहे। भीषण गर्मी के बीच कार्यकताअरं की तादाद व जोश को देखकर हुड्डा और उदयभान बेहद गद्गद् नजर आए। उन्होंने लोकसभा चुनाव में गठबंधन उम्मीदवार को भारी समर्थन और वोट देने के लिए आभार व्यक्त किया।

हुड्डा ने कैथल के मतदाताओं से चारों विधानसभा सीटें कांग्रेस को जितवाने की अपील की। उन्होंने कहा कि वो अपने काम के नाम पर वोट मांग रहे हैं। कैथल की जनता अपने इलाके को देखकर आसानी से बीजेपी और कांग्रेस के कार्यों की तुलना कर सकती है क्योंकि कांग्रेस कार्यकाल के दौरान कैथल का पूरी तरह कायाकल्प हुआ। स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, सड़कें, बस स्टैंड, सैक्टर से लेकर बाईपास समेत तमाम कार्य उनकी सरकार के दौरान हुए जबकि बीजेपी ने यहां की जनता से वोट लेकर उसके साथ सिर्फ धोखा किया।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में प्रदेश की जनता ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। जनता हरियाणा से बीजेपी का सफाया करके कांग्रेस की सरकार बनाना चाहती है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि जिस मेहनत और हौसले के साथ सभी कार्यकताअरं ने लोकसभा चुनाव में काम किया, अब विधानसभा चुनाव में उससे ज्यादा ताकत के साथ कांग्रेस के लिए मेहनत करनी है। एक मोर्चा फतेह करने के बाद अब दूसरे मोर्चे को जीतने की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इसके लिए 36 बिरादरी तक बीजेपी सरकार की विफलताओं और कांग्रेस की घोषणाओं को पहुंचाना है।

साथ ही उन्होंने कहा कि फैमिली आईडी और प्रॉपर्टी आईडी जैसे जनविरोधी और घोटालेबाज पोर्टलों को बंद करने के लिए भी कांग्रेस प्रतिबद्ध है क्योंकि कांग्रेस का मानना है कि तकनीक का इस्तेमाल जनता की सहुलियत के लिए होना चाहिए।

राजपूत समाज ने की राज्यसभा में प्रतिनिधित्व देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

राजौंद के असंध रोड पर स्थित बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल में राजपूत समाज के गणमान्य लोगों की बैठक हुई। इस दौरान हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम ज्ञापन प्रेषित कर समाज को राज्यसभा में प्रतिनिधित्व दिए जाने की मांग की है। इस दौरान वीर करण सिंह राणा ने कहा कि हरियाणा के गठन से आज तक राज्यसभा के लिए हरियाणा राजपूत समाज को जनसंघ अथवा भाजपा द्वारा कोई प्रतिनिधित्व नहीं प्राप्त हुआ।

आठ फीसदी आबादी

प्रदेश के लग भाग 8 प्रतिशत आबादी वाले राजपूत समाज के विधायक 18 अलग-अलग विधान सभा क्षेत्र से विभिन्न कार्यकाल से निर्वाचित होते आए हैं। उन्होंने कहा कि सर्वमान्य तथ्य है कि राजपूत समाज का झुकाव प्रारम्भ से ही सनातन संस्कृति और राष्ट्र प्रेम की मानसिकता के चलते जनसंघ भारतीय जनता पार्टी की तरफ रहा है।ज्ञापन मे लोकसभा चुनाव का परिणाम का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि देश व प्रदेश में पार्टी में मूल कार्यकर्ता द्वारा राजपूत समाज की अनदेखी बहुत भारी पड़ी। इसके लिए हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा ने पार्टियां नेतृत्व से पुरजोर आग्रह किया कि हरियाणा राजपूत समाज के लिए उपयुक्त व्यक्ति को राज्यसभा भेजने का पार्टी हित्त मे कार्य करें। राज्यसभा सीट पर सभा जिन 5 लोकसभा सीट पर भाजपा ने जीत हासिल की है उसमें हरियाणा राजपूत समाज के कुरुक्षेत्र क्षेत्र से पदम श्री प्रो रघुवेंद्र तवर, ठाकुर वीर करण सिंह राजौंद, फरीदाबाद क्षेत्र से नीरा तोमर,हुकम सिंह भाटी, गुड़गांव क्षेत्र से दशरथ चौहान,भिवानी से विक्रम सिंह तंवर, महेंद्रगढ से विजय सिंह शेखावत, करनाल से योगेन्द्र राणा और प्रोफेसर वीरेंद्र चौहान,रिवाड़ी से नरेश चौहान पदाधिकारी के नामों पर उनकी योग्यता व उपयोगिता के कारण विचार किया जाए अथवा पार्टी के नजर में उनसे बेहतर हरियाणा राजपूत समाज के किसी अन्य योग्य पात्र का नाम हो तो यह अवसर दिया जाए। प्रदेश के मौजुदा राजनीति परिपेक्ष्य में नयोजित और पार्टी हित में है। इस दौरान जसबीर राणा बीर बांगड, दीपक राणा बीर बांगड, अशोक राणा, दीपक राणा ,विजेंद्र राणा,विनोद राणा, महावीर सिंह , गिरधारी सिंह,घनश्याम सिंह शेखर खुरड़ा व अन्य मौजूद रहे।

विस चुनाव में कांग्रेस प्रचंड बहुमत से बनाएगी सरकार : बृजेंद्र

- कहा : क्षेत्रीय दलों का नहीं है प्रदेश में कोई वजूद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

उचाना। कार्यकर्ताओं से मिलते हुए पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह। फोटो : हरिभूमि

कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह हलके में निरंतर सक्रियता बढ़ा रहे हैं। बीते दिनों हलके के तीन दिनों तक लगातार दौरे के बाद शनिवार शाम को उचाना खुर्द गांव पहुंचे। यहां पहुंचने पर युवा नेता राकेश उचाना खुर्द की अगुवाई में उनका स्वागत कार्यकर्ताओं ने किया। काफी संख्या में दूसरे दलों से कार्यकर्ता पार्टी छोड़ कर कांग्रेस में भी शामिल हुए। पूर्व सांसद ने कहा कि विस चुनाव जब प्रदेश में होंगे तो कांग्रेस प्रचंड बहुमत से सत्ता में आएगी। चुनाव में कांग्रेस के मुकाबले में कोई नजर नहीं आएगा। प्रदेश में आने वाला कल कांग्रेस का है। 2019 के मुकाबले कांग्रेस का वोट प्रतिशत के साथ-साथ सीटें भी बढ़ी है। 2019 लोकसभा में कांग्रेस की कोई सीट नहीं आई थी जबकि इस बार पांच सीटें आई है। कांग्रेस की सरकार बननी तय है इस बात का संदेश लोकसभा चुनाव से मिल गया है। अब भाजपा मतदाताओं को बहकाने के लिए तरह.तरह के झूठ बोलेंगी लेकिन मतदाता भाजपा के बहकावे में नहीं आएंगे क्योंकि भाजपा को सत्ता से बाहर करने का मन प्रदेश का मतदाता बना चुका है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को चाहिए कि वो अधिक से अधिक लोगों को संगठन के साथ जोड़े। कांग्रेस के आने के लिए भाजपा, इनेलोए जेजेपी सहित अन्य दलों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तैयार है। वो कांग्रेस में आना चाहता है बस उनसे संपर्क साधना है। भाजपा के राज में पोर्टल, पीपीपी सहित कई ऐसी नई पॉलिसी भाजपा लेकर आई जिससे हर वर्ग परेशान हुआ। विस चुनाव में भाजपा को वोट की चोट से मतदाता सत्ता से बाहर करने का काम करेंगे। प्रदेश में क्षेत्रीय दलों का कोई वजूद नहीं है। लोकसभा चुनाव में जेजेपी, इनेलो दोनों के वोट मिला तो तीन प्रतिशत भी नहीं होते है। इस मौके पर संजीव डूमरखां, डा. जुगमिंद्र कोच, मा. जयभगवान, महेंद्र नंबरदार सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

100 दिन में 11 हजार को गंगा स्नान करवाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

- आज से जाजवान से होगी शुरूआत

जींद के जो लोग उत्तराखंड के हरिद्वार में गंगा स्नान कर गंगा मैया में पुण्य की डुबकी लगाना चाहते हैं, उनके लिए अच्छी खबर यह है कि जींद के समाजसेवी बलजीत रेढू अगले 100 दिनों में जींद के 11 हजार लोगों को हरिद्वार में मुफ्त गंगा स्नान करवाएंगे। इसकी शुरुआत रविवार को जींद के जाजवान गांव से होग। समाजसेवी बलजीत रेढू ने यह प्रण लिया है कि वह अगले 100 दिनों में जींद के 11 हजार लोगों को हरिद्वार में मुफ्त गंगा स्नान करवाएंगे। इसके लिए जींद से वह मुफ्त में बस भेजेंगे। इन बसों में जींद शहर और गांवों के लोगों को हरिद्वार ले जाकर गंगा स्नान करवाया जाएगा और उन्हें वापस उनके घर तक सुरक्षित पहुंचाया जाएगा। महिलाओं से लेकर बुजुर्ग और बच्चे, जो अपने वाहनों से हरिद्वार में गंगा स्नान के लिए नहीं जा सकते हैं, उनके लिए बलजीत रेढू बहुत बड़े मददगार के रूप में सामने आए हैं। बलजीत रेढू इससे पहले भी जींद के लोगों को हरिद्वार में मुफ्त गंगा स्नान के लिए बसों में भेजते रहे हैं। पानीपत जिले के चुलकाना धाम और सालासर, खाटू श्याम के दर्शनों के लिए भी वह लोगों को मुफ्त बस सेवा उपलब्ध करवा रहे हैं। इसके अलावा जींद में पिछले तीन साल से मुफ्त जल सेवा शहर में चला रहे हैं।

सांझा उम्मीदवार उतारने के लिए होगी 12 जुलाई को उचाना में महापंचायत

उचाना। आगामी 12 जुलाई को उचाना उपमंडल कार्यालय में चल रहे उचाना संयुक्त किसानए मजदूर मोर्चा के धरनास्थल पर महापंचायत आयोजित होगी। धरना संयोजक आजाद पालवां ने बताया कि महापंचायत का आयोजन भविष्य के होने वाले विस चुनाव को लेकर उचाना हलके से सांझा उम्मीदवार उतारे जाने को लेकर चर्चा की जाएगी। हलके के किसान, मजदूर, व्यापारी, युवा, आमजन, बुद्धिजीवी, महिलाओं एवं गणमान्य लोगों को इस महापंचायत को लेकर निमंत्रण दिया जाएगा। पालवां ने कहा कि हलके की सामूहिक मांगों को लेकर कई महीनों से धरना चल रहा है। कई बार ज्ञापन यहां से विधायक एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह को दिए जा चुके है। मांगों को लेकर वो कभी गंभीर नजर नहीं आए। जब तब आप परिवार से कोई विधायक नहीं चुन कर विधानसभा जाएगा तब तक हलके के लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा।

टाबर उत्सव में बच्चे सीख रहे मूर्ति कला के गुर

जींद। राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग व शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित टाबर उत्सव मनाया जा रहा है। जिला के विभिन्न सरकारी स्कूलों के लगभग 50 विद्यार्थी मूर्तिकला के हुनर से रूबरू हो रहे हैं। स्कूलों के 9वीं से 12वीं कक्षा के विद्यार्थी टाबर उत्सव के तहत किताबी ज्ञान के साथ साथ मूर्तिकला का हुनर सीखेंगे। हरियाणा कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग व शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यक्रम 30 जून तक सुबह 8 बजे से 11 बजे तक ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान चल रहा है। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षक दीपक कौशिक ने बताया कि बच्चे अपने अंदर छिपी हुई कल को मूर्ति कला में दल करके दिखा रहे हैं। हरियाणा के मूर्ति कला अधिकारी हृदय कौशल बच्चों से अपने विचार सांझा करेंगे व मूर्ति कला के बारे में बच्चों को प्रशिक्षण भी देंगे। जिससे कि बच्चे अपने भविष्य को सफल बनाने का प्रयास करें।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

एफएलएन के तहत आयोजित किए गए थे प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग नहीं लेने वाले कर्मियों से मांगा स्पष्टीकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय। फोटो : हरिभूमि

निपुण हरियाणा मिशन के तहत पिछले दिनों हुई कार्यशाला में एसआरजी (स्टेट रिसोर्स ग्रुप) केआरपी (की रिसोर्स प्रसन) व एमटी (मास्टर ट्रेनर)द्ध के रूप में भाग नहीं लेने वाले एबीआरसी (असिस्टेंट ब्लॉक रिसोर्स कोऑर्डिनेटर) व बीआरपी (ब्लॉक रिसोर्स प्रसन) से हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद ने स्पष्टीकरण मांगा है। 26 जून तक विभाग द्वारा दिए गए लिंक पर कार्यशाला में भाग नहीं लने वाले एबीआरसी व बीआरपी की सूची कारण सहित भेजी जानी है। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद ने पत्र में कहा है कि बाल वाटिका.3 से लेकर कक्षा पांचवीं तक निपुण हरियाणा मिशन कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके लिए रा'य स्तर पर शैक्षणिक सत्र 2022-23, 2023-24 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। जिसमें लिटरेसी एंड नियुमरेसी, एफएलएन, बालवाटिका.3, विद्या प्रवेश आदि विषयों पर विभिन्न केआरपी तथा एमटी द्वारा चार दिवसीय, पांच दिवसीय व दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन खंड स्तर पर किया गया था। विभाग के संज्ञान में आया है कि कुछ एबीआरसी व बीआरपी प्रशिक्षण के समय अपना समुचित योगदान नहीं देते हैं तथा बार-बार अपनी ड्यूटी कटवा लेते हैं और ड्यूटी देने से हर बार बचते हैं। इस कारण जिले में हर बार प्रशिक्षण का भार केवल कुछ ही एबीआरसी व बीआरपी सदस्यों पर रहता है। ऐसे में विभाग द्वारा निर्णय लिया गया है कि ऐसे एबीआरसीव व बीआरपी को चिह्नित किया जाए, जिन्होंने सत्र 2022-23 तथा 2023-24 में किसी भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में केआरपी व एमटी के रूप में प्रशिक्षण नहीं लिया है तथा न ही किसी को प्रशिक्षण दिया है। विभाग ने ऐसे एबीआरसी व बीआरपी की जानकारी 26 जून तक भिजवाने के लिए कहा गया है।

गौरतलब है कि एफएलएन के तहत विद्यार्थियों को मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान में निपुण बनाने के लिए हिंदी, गणित और अंग्रेजी विषयों में पर्याप्त शिक्षण समय मिलना आवश्यक है। इसे ध्यान में रखते हुए सभी राजकीय प्राथमिक विद्यालयों के लिए एक सामान्य समयसारणी तैयार की गई है। इस समय सारणी में दैनिक आधार पर कक्षा एक से तीन तक 90 मिनट हिंदी के लिए, 60 मिनट गणित के लिए और 60 मिनट अंग्रेजी पढ़ाने के लिए दिए गए हैं।

प्रशिक्षण में भाग नहीं लेने वाले एबीआरसी व बीआरपी की मांगी सूची

एफएलएन जिला कोऑर्डिनेटर राजेश वशिष्ठ ने बताया कि परिषद का मुख्य उद्देश्य है कि जिन्होंने अभी तक ट्रेनिंग में भाग नहीं लिया है, उन्हें आगामी ट्रेनिंग में केआरपी व मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण दिया जा सके। निपुण हरियाणा मिशन के तहत पिछले दिनों हुई ट्रेनिंग में भाग नहीं लेने वाले एबीआरसी व बीआरपी की हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद ने सूची मांगी है। एबीआरएसी व बीआरपी को प्रशिक्षणों में भाग नहीं लेने का कारण बताना होगा।

आज पर टिकी होती है हमारी भविष्य की जिंदगी

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

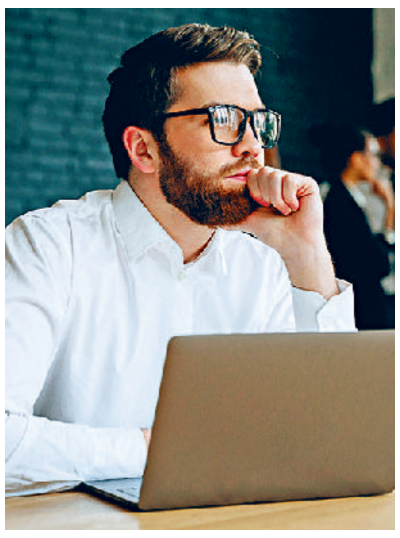

यह सही है कि भविष्य में कुछ भी निश्चित नहीं लेकिन आने वाले कल का बहुत कुछ ऐसा होता है, जिसे हम आज ही निर्धारित कर सकते हैं। वो कौन-सी प्रवृत्तियां हैं, कौन-सी स्वभावगत विशेषताएं हैं, जिनमें बदलाव लाना या जिन्हें सही दिशा देना जरूरी है, इस बारे में जानकर हम निश्चित ही आने वाले जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

आपको अगर अपने उगाए पेड़ों से आम, अमरूद, नीबू, केला, टमाटर या कोई भी फल सब्जी खानी है तो उसे कब उगाएंगे? जाहिर है, आप जब भी इन्हें उगाएंगे उसके कुछ दिनों, हफ्तों, महीनों या बरसों बाद आपको अपेक्षित फल मिलेंगे। ठीक इसी प्रकार आपको अपना भविष्य उज्ज्वल, खुशहाल, सहज और सुविधाजनक चाहिए तो उसके लिए कुछ कोशिशें आज से ही शुरू करनी होंगी। इन कोशिशों में आपके नजरिए, स्वभाव और आदतों में परिवर्तन भी शामिल है।

करें भविष्य का आकलन

हालांकि जीवन और दुनिया परिवर्तनशील और अनिश्चित है लेकिन इसमें कुछ चीजें कभी नहीं बदलेंगी। जैसे लोगों का स्वभाव, खान-पान संबंधी मूल आदतें, मानवीय गुण-दोष। इन्हीं के आधार पर भविष्य के लिए अपने प्रोफेशनल या कारोबारी निर्णय लें। मॉर्गन हाउसेल ने अपनी बेस्ट सेलर पुस्तक 'सेम एज एवर' में लिखा है, 2050 में दुनिया चाहे जैसी हो, लोग तब भी लाभ, भय, अवसर, शोषण, जोखिम, अनिश्चितता, जुड़ाव से संचालित होंगे, जैसे आज होते हैं। तब भी हर कोई सुरक्षित भविष्य चाहेगा, आशंकाओं से घबराएगा और खाने में कुछ चीजें तब भी लगभग हर कोई खाएगा।' शायद यही कारण है कि वारेन बफेट जैसा बड़ा उद्यमी बीमा कंपनियों, बबलगम, टोमेटो केचप जैसी ट्रेडिशनल कंपनियों में निवेश करते रहे हैं।

रखें स्पष्ट-तार्किक सोच

हमें जीवन में रोजाना कुछ छोटे-बड़े निर्णय लेने पड़ते हैं। इन्हीं के सही गलत होने पर हमारे भविष्य का पूरा दारोमदार होता है। अगर हम अपनी निर्णय क्षमता को स्पष्ट और तार्किक बनाना सीख लें तो हमारा आने वाला कल निश्चित रूप से अच्छा ही होगा। सही निर्णय लेने की कला स्कूली पढ़ाई से नहीं बल्कि अच्छे लोगों की सलाह, जीवन के अनुभवों और व्यावहारिक ज्ञान पर निर्भर करती है। सबसे पहले आपको उन क्षणों को पहचानना सीखना चाहिए, जो आपके जीवन को बदलने में सक्षम हैं। किसी भी घटना, स्थिति या व्यक्ति के व्यवहार पर बिना सोचे त्वरित प्रतिक्रिया न दें। बल्कि सोच-समझ कर तर्क के आधार पर निर्णय लें। भावनात्मक प्रतिक्रिया देने के बजाय विवेक से काम लें।

विश्वास और शत्रुता सीमित हो

आपने कई पौराणिक, ऐतिहासिक कथाएं पढ़ी होंगी। अपने परिवार या आस-पास के उदाहरण देखे होंगे और हो सकता है कभी आपको भी अनुभव प्राप्त हुआ हो कि किसी भी व्यक्ति से शत्रुता खतरनाक स्तर पर पहुंच जाए तो मानसिक अशांति के साथ-साथ जान से हाथ धो बैठने और भारी आर्थिक नुकसान होने का जोखिम बढ़ जाता है। ठीक इसी प्रकार जब हम किसी को अपना परम मित्र और हितैषी मानकर उसे अपनी जिंदगी का हर छोटा-बड़ा राज बता देते हैं और जरूरत से ज्यादा विश्वास करने लगते हैं तो कभी-कभार हमें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसा ना हो इसके लिए किसी से अत्यधिक शत्रुता या किसी पर अंधविश्वास करने से बचना चाहिए।

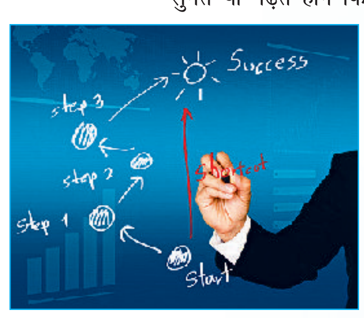

धोखाधड़ी-शॉर्टकट से बचें

कई बार हम क्षणिक सुख प्राप्त करने के लिए कोई ऐसी बड़ी गलती कर बैठते हैं, जिसके लिए हमें जीवन भर पछताना पड़ता है। अवैध संबंध, ठगी, चोरी, लूट, ईर्ष्या, किसी का अहित करना या धोखा देकर, नकल करके आगे बढ़ना ऐसे काम हैं, जिनका अंतिम नतीजा सदैव दुखदायी ही होता है। आप ऐसी खबरें देखते, सुनते या पढ़ते होंगे कि कोई बाहुबली, बड़ा राजनीतिज्ञ या अत्यधिक अमीर व्यक्ति भी अर्श से फर्श पर आ जाता है। इस संदर्भ में अब्राहम लिंकन के एक पत्र का सारांश पठनीय है, जो उन्होंने अपने बेटे के स्कूल टीचर को लिखा था। उन्होंने लिखा था, 'आदरणीय टीचर, आप मेरे बेटे को सिखाएं कि मेहनत से कमाया हुआ एक डॉलर सड़क पर पड़े मिलने वाले पांच डॉलर से ज्यादा कीमती होता है। वह दूसरों से ईर्ष्या की भावना मन में ना लाए। मुझे उम्मीद है कि आप उसे बताएंगे कि दूसरों को धमकाना और डराना अच्छी बात नहीं है। नकल करके पास होने से फेल होना ज्यादा अच्छा है। आप उसे सिखाएं कि हर दुश्मन में दोस्त बनने की संभावना भी होती है। इसलिए संयमित व्यवहार करे।'

ये सीखें बेहतर जीवन की चाहत रखने वाले हर किसी के लिए उपयोगी हैं। इसलिए बेहतर और खुशहाल जीवन के लिए इसके सभी पहलुओं का संतुलन साधना बहुत जरूरी है। *

सीखें लाइफ को बैलेंस करना

अगर आप अपने जीवन में अच्छे-बुरे कामों, नतीजों, अपने क्रिया-कलापों पर नजर नहीं रखते हैं तो जीवन की गति बेलगाम घोड़े या ड्राइवर विहीन कार जैसी होगी। जाहिर है, इसके दुष्परिणाम आपको ही भोगने होंगे। जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। काम के साथ स्वास्थ्य, विश्राम, संबंधों और परिवार पर भी ध्यान देना जरूरी है। कोका-कोला के पूर्व सीईओ ब्रायन डायन ने कॉर्पोरेट करियर में 40 साल बिताने के बाद एक स्पीच में कहा था कि काम पर समय से पहुंचें। तल्लीन होकर काम करें लेकिन घर पर भी समय से पहुंचे। हम जीवन में पांच गेंदों की जग्लिंग करते हैं। पहली गेंद काम, दूसरी परिवार, तीसरी स्वास्थ्य, चौथी दोस्ती और पांचवीं गेंद उत्साह से जुड़ी हुई है। काम-काज की गेंद रबड़ की तरह है। यह हाथ से छूट गई तो दोबारा आ सकती है। लेकिन बाकी गेंदें कांच की तरह होती हैं। ये एक बार हाथ से छूटीं तो टूट जाएंगी। पैसा और प्रोफेशन महत्वपूर्ण है लेकिन सब कुछ यही नहीं है। इसलिए परिवार की महत्ता को पूरी तरजीह दें।

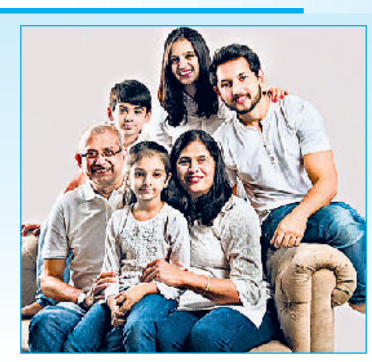

पुरुष भी जरूर करें अपनी हेल्थ केयर

परिवार के अन्य सदस्यों की हेल्थ का पूरा ध्यान रखने वाले पुरुष सदस्य अकसर अपनी हेल्थ पर ध्यान नहीं देते हैं। सभी पुरुषों को अपनी हेल्थ के प्रति अवेयर करने और हेल्दी लाइफ जीने के लिए 'मेंस हेल्थ मंथ (जून)' इंस्पायर करता है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

जून महीना पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर सजगता लाने से जुड़ा है। इस माह को 'मेंस हेल्थ मंथ' के रूप में मनाया जाता है। यह महीना, पुरुषों की हेल्थ प्रॉब्लम्स को लेकर जागरूक होने को समर्पित है।

पारिवारिक सदस्यों की जिम्मेदारी: परिवार में पिता, दादा, भाई या किसी भी अन्य रिश्ते के रूप में रहने वाले पुरुष सदस्य अगर अपनी सेहत का पूरा ध्यान नहीं रखते हैं तो परिवार के अन्य सदस्यों की यह जिम्मेदारी है, वे उन्हें अपनी हेल्थ को लेकर अवेयर करें। कई तरह की भाग-दौड़ के बावजूद अपनों का स्वास्थ्य सहेजने वाली आपा-धापी में उलझे रहने वाले बाबा, पापा, चाचा या भाई को भी उनकी परेशानियों को समझने वाला साथ चाहिए होता है। उनका हाथ थामकर डॉक्टर के पास तक ले जाने और दवा खिलाने के लिए परिवार के सदस्य समय जरूर निकालें, उनकी तकलीफों को लेकर संवेदनशील बनें।

स्वास्थ्य की अनदेखी: अध्ययन बताते हैं कि पुरुषों की प्राइमरी हेल्थ केयर के लिए चिकित्सक के पास जाने की प्रवृत्ति कम होती है। इसी वजह से पुरुषों में हृदय रोग, कैंसर और दुर्घटना में लगी चोटें, उनका जीवन छीनने के तीन प्रमुख कारणों में से एक बनकर सामने आई हैं। इतना ही नहीं पोस्टपार्टम डिप्रेशन जैसी समस्या महिलाएं ही नहीं पुरुष भी झेलते हैं। उम्र के साथ हार्मोनल बदलावों से जुड़ी परेशानियां पुरुषों के भी हिस्से आती हैं। पैरेंटिंग की यात्रा के उतार-चढ़ाव में पिता भी साझीदार होते हैं। उनकी मनःस्थिति भी बदलती है। कई तरह की चिंताएं उन्हें भी आ घेरती हैं। बावजूद इसके यह जिम्मेदारी निभाने के आयुवर्ग में अधिकतर पुरुष अपनी हेल्थ को लेकर ज्यादा सजग नहीं रहते। अपनों की संभाल का जिम्मा उठाने वाले पिता, पति और बेटे खुद अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को सीरियसली नहीं लेते। मन ही मन बहुत सी परेशानियों से जूझते रहते हैं। अपनी तकलीफें बताने के बजाय अपनों की परेशानियों का हल निकालने में जुटे रहते हैं। ऐसे में घर की महिला सदस्य और बच्चे अपने पति, पिता और दादाजी को खुद की देखभाल के लिए प्रेरित भी कर सकते हैं और स्नेह भरा दबाव भी बना सकते हैं। अपने स्वास्थ्य की अनदेखी करने के इस बर्ताव के खिलाफ प्यारी सी जिद ठान सकते हैं। घर के पुरुष सदस्य, अपने बच्चों की बात नहीं टाल पाते हैं।

स्नेह-साथ आवश्यक: हमारे सोशल सिस्टम में बहुत सहजता से यह मान लिया जाता है कि घर के पुरुष सदस्यों को साथ, स्नेह और संवेदनशील बर्ताव की दरकार है ही नहीं। खासकर उस आयुवर्ग में जब वे अपनी जिम्मेदारियां संभालने योग्य हो जाते हैं। पिता, पति और बेटे के रूप में परिजनों के लिए हर मोर्चे पर भागम-भाग करने लगते हैं। ऐसे में बड़े होते बच्चों का अपने पिता के प्रति जुड़ाव ही संबल बन सकता है। शारीरिक स्वास्थ्य सहेजने के लिए ही नहीं भावनात्मक मजबूती के मोर्चे पर भी यह स्नेह भरा साथ बहुत आवश्यक है।

अपनों की भूमिका अहम: पुरुषों की सेहत से जुड़ी चिंताओं के प्रति अवेयरनेस लाने और बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं की तरफ ध्यान लाने और उसे बेहतर तरीके से प्रबंधित करने के लिए तय किया गया यह विशेष वार्षिक आयोजन (मेंस हेल्थ मंथ) वाकई अहम है। इस दौरान चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान, यह भी बताते हैं कि घर के पुरुष मेंबर की हेल्थ संभालने के लिए अपनों की सक्रियता बेहद जरूरी है। अमेरिकी लेखक, राजनीतिज्ञ और डिप्लोमैट बिल रिचर्डसन ने कहा था कि पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को पहचानना और उन्हें रोकना केवल पुरुषों का मामला नहीं है। इसका असर पत्नियों, माताओं, बेटियों और बहनों पर भी पड़ता है। इससे स्पष्ट होता है कि पुरुषों का स्वास्थ्य वास्तव में एक व्यक्ति का नहीं पारिवारिक मुद्दा है। इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इससे परिवार में खुशहाली आती है। *

गेमिंग जोन में खोए बच्चे

प्रिकॉशन
बाल मुकुंद ओझा

खेलों को बच्चों के मानसिक विकास के लिए जरूरी माना जाता है। लेकिन हाल के वर्षों में गेमिंग जोन और ऑनलाइन गेम्स के बढ़ते ट्रेंड से बच्चों में कई हेल्थ प्रॉब्लम्स सामने आने लगी हैं। ऐसे में पैरेंट्स को एलर्ट होने की जरूरत है।

बच्चों के लिए बनाए जाने वाले गेमिंग जोन को लेकर इस समय पूरे देश में खासी चर्चा हो रही है। सवाल है, आखिर ये गेम जोन है क्या? इसका चलन देश और विदेशों में इतना क्यों बढ़ने लगा है?

विदेश से आया ट्रेंड: गेमिंग जोन की शुरुआत विदेशों में बहुत पहले हो चुकी थी। समय के साथ अन्य तकनीकों की तरह भारत के छोटे-बड़े शहरों में इसका भी विस्तार होने लगा है। गेमिंग जोन एक ऐसी जगह होती है, जहां लोग गेम खेल सकते हैं। इसे अलग-अलग तरह के गेम्स के लिए डिजाइन किया जाता है। भारत में गेमिंग जोन की लोकप्रियता बढ़ रही है। देश में लगभग हर बड़े शहर और मेट्रो सिटीज में आपको गेमिंग जोन मिल जाएंगे।

कैसे होते हैं गेमिंग जोन: गेमिंग जोंस में वीडियो गेम्स खेलने के लिए विशेष रूप से गेम्स डिजाइन किए जाते हैं। यह एक अलग क्षेत्र होता है, जो स्पेशल गेमिंग उपकरणों से तैयार किया जाता है। गेमिंग जोन के गेम्स में प्लेयर्स को अधिक तेज और रोमांचक गेमिंग अनुभव प्राप्त करने के लिए स्पेशल फीचर्स डाले जाते हैं।

बच्चे करते हैं पसंद: बच्चों को गेमिंग जोन काफी पसंद आते हैं। इसकी वजह यह है कि पिछले कुछ सालों से बच्चों में इंडोर वीडियो गेम और फोन पर गेम्स खेलने की आदत काफी बढ़ गई है। कई मामलों में तो बच्चों को गेम की लत भी लग जाती है और वो चाहकर भी गेम खेलना छोड़ नहीं पाते। इसी तर्ज पर बनाए गए गेम्स जोन, बच्चों को खूब लुभाते हैं। यही वजह है कि छुट्टी के दिनों पर तो मॉल्स में बनाए गए गेमिंग जोन में बच्चों की काफी भीड़ रहती है। बच्चों को इस तरह के गेम्स खेलने में बहुत मजा आता है। इससे उनके शरीर में डोपामाइन नामक केमिकल ज्यादा रिलीज होता है। डोपामाइन एक न्यूरो ट्रांसमीटर है, जो हमारे शरीर के दिमाग को रोमांच, संतुष्टि और खुशी महसूस कराता है। इस वजह से बच्चे ऐसे गेम ज्यादा खेलते है।

बच्चों की हेल्थ पर बुरा प्रभाव: ऑनलाइन गेम्स हों, इंडोर गेम्स या गेमिंग जोन के गेम्स, इनकी लत बच्चों की मेंटल हेल्थ पर बैड इफेक्ट डाल सकती है। इससे बच्चों में डिप्रेशन, एंजाइटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बीते कुछ सालों से इस तरह के कई मामले भी सामने आए हैं, जिसमें गेम की लत ने बच्चों की मानसिक सेहत को प्रभावित किया है। उन्होंने अपने घर की चीजों, सदस्यों या दोस्तों को नुकसान भी पहुंचाया है। ऐसे गेम्स से बच्चों में हिंसक सोच भी बढ़ती है। खराब मेंटल हेल्थ के चलते बच्चों की पढ़ाई और प्रदर्शन प्रभावित होता है। ऐसे गेम्स की लत में बच्चों की मेंटल हेल्थ के साथ-साथ फिजिकल हेल्थ भी बिगड़ती है।

पैरेंट्स ना करें लापरवाही: अपने बच्चों को मोबाइल, कंप्यूटर और गेम जोन में खेलते देखकर कई माता-पिता बहुत खुश होते हैं। वे दूसरों को बड़े गर्व के साथ यह बताते तनिक भी नहीं हिचकते कि उनका बच्चा डिजिटल दुनिया के नए जमाने के साथ दौड़ रहा है। लेकिन शायद वे इस बात से अनजान हैं कि जिसे वह बच्चे की स्मार्टनेस समझ रहे हैं, वह उसके विकास में बाधा भी बन सकता है। इसलिए अगर आपके बच्चे भी ऐसे गेमिंग जोन में या ऑनलाइन गेमिंग में अकसर या बहुत ज्यादा समय बिताते हैं तो बिना देर किए आपको इस पर गहनता से विचार करने की जरूरत है। आपका बच्चा ऐसे गेम्स का एडिक्ट हो जाए, उससे पहले ही आपको एलर्ट हो जाना चाहिए। ऐसा न हो कि आपके बच्चे का बचपन गेमिंग जोन के चमक-दमक वाले मायाजाल में कहीं खो जाए। इसलिए इस लत से छुटकारा दिलाने के लिए पहले अपने स्तर पर प्यार से समझाने का प्रयास करें। जरूरत हो तो चाइल्ड काउंसलर या साइकोलॉजिस्ट की मदद भी ले सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गहन सामाजिक विमर्श

जगमोहन सिंह राजपूत शिक्षाविद तो हैं ही, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों के विचारक भी हैं। हाल में आई पुस्तक 'भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं (व्यग्रता, उग्रता और समग्रता)' में उनके कई विचारोत्तेजक लेख संकलित हैं। यहां पर लेखक ने कई ऐसी समस्याओं पर विचार किया है, जो केवल एक देश-समाज के लिए ही नहीं संपूर्ण विश्व के लिए चुनौती बने हुए हैं। आज आतंकवाद, सांप्रदायिक उन्माद, असहनशीलता और संवेदनहीनता जैसी समस्याओं का सामना संपूर्ण मानव समाज कर रहा है। ये ऐसी समस्याएं हैं, जिनके निवारण के बिना हम एक सभ्य समाज, विकासोन्मुख देश और बेहतर दुनिया की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इन समस्याओं के मूल कारणों, इनके दुष्परिणामों पर ही नहीं, उनके समाधान के रास्तों पर भी लेखक ने इन लेखों में गहनता से विचार किया है। *

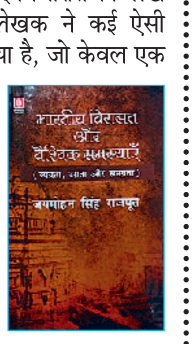

पुस्तक: भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं, **लेखक:** जगमोहन सिंह राजपूत, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

तपती दुपहरी

भीषण गर्मी की तपती दुपहरी थी। घर से बाहर निकलते लगता कि आदमी बेहोश होकर गिर जाएगा। धरती पर कण-कण तप रहा था। लेकिन बुलकिया को दम मारने की भी फुरसत नहीं थी। वह सुबह से ही लगी हुई थी। जल्दी-जल्दी ईंटे ढो रही थी। यह सोचती, बस एक खेप और...बस एक खेप और... फिर बच्चे को दूध पिला आएगी। बीच-बीच में बच्चा उठता, थोड़ी देर रोता फिर सो जाता। भीषण लू चल रही थी। पेट की बात नहीं होती तो बुलकिया निकलती भी नहीं। उसने कनखियों से बच्चे कजरा की ओर देखा। वह बस साल भर का था, नीम के पेड़ के नीचे लेटा हुआ था। पेड़ अब ठूंठ ही बचा था। पेड़ की शाखों पर नाम मात्र की पत्तियां ही बची थीं। बुलकिया को तेज भूख लग आई थी, लेकिन वह ईंटों को ढोने में लगी हुई थी। आधी दोपहर निकल गई थी। वह भी बेचारी क्या करे? उसका आदमी रामसूरतवा डेढ़ साल हुए पैसा कमाने पहले विदेश चला गया था। बैंक के दलालों की मदद से किसी तरह पैसा कर्जा लेकर वह दुबई गया था, लेकिन वह घर नहीं लौटा। दुबई में कहीं टावर पर चढ़कर काम कर रहा था। एक बार नीचे गिरा तो उठ ना सका। बुलकिया अपने पति की लाश भी नहीं देख पाई थी। बैंक से दो लाख का कर्जा लेकर गया था पति, साल भर से वह उसका मय ब्याज चुका रही है। रामसूरतवा अपने पीछे दो बच्चे छोड़ गया है- मिंटुआ और कजरा। मिंटुआ तो खैर बड़ा हो गया है। बड़ा भी भला क्या हुआ है, चौदह साल का है। अट्ठारह घंटे चूड़ी फैक्ट्री में काम करता है। तब जाकर वो पांच हजार कमा पाता है। उसकी कमाई से ही घर चलता है।

पेड़ के नीचे कजरा बहुत देर से लेटा था। धूप की किरणें कांच की किरचों की तरह उसके बदन पर चुभ रही थीं। अचानक से वह जोर-जोर से रोने लगा। सुरेखवा से नहीं रहा गया तो चिल्लाई, 'अरे बहन! सुबह से ही बच्चे को धूप में सुला रखा है। कम-से-कम उसे छाया में तो लिटा, उसे कुछ खिला-पिला दे। तू भी तो कुछ खा-पी ले। इतनी धूप में क्यों काम कर रही है? थोड़ा सुस्ता ले बहन। काहे जान देने पर तुली है? बचेगी तो तभी काम करेगी, जा कुछ खा ले। यहां तो ऐसे लोग हैं, जो ठंडे एसी कमरों में पड़े हुए हैं।

एक हमारा नसीब है, धूप और लू में भी काम करना पड़ रहा है। सब अपने-अपने भाग्य की बात है।' तभी रामानंद ठेकेदार उधर से गुजरा, उसने भी टोका, 'ऐ, बुलकिया, तुझे और तेरे बच्चे को धूप नहीं लग रही है क्या? जा थोड़ा सुस्ता ले।'

बुलकिया के मन में आया कह दे, 'बाबू, भूख के आगे धूप कहां लगती है।' लेकिन उसे लगा उसकी आवाज को लकवा मार गया है। *

-महेश कुमार केशरी

प्यासा कौआ

ओह कैसी गर्मी है? दो-चार रोटियां बनाने में जी घबरा गया। ये सिल्लो भी कितनी छुट्टी करती है और नलों का भी यही हाल है। सारे बर्तन खाली पड़े हैं। सूखे नल ही हुड़हुड़ा रहे हैं।' पसीना पोंछते हुए गर्मी को कोसते हुए वह किचन से बाहर निकल आईं। सामने उन्हें अपना पौत्र दिखाई दिया, 'अरे बंटू! इतनी गर्मी में तुम यहां बैठे हो?'

आंगन में रखी अपनी छोटी कुर्सी पर बैठा हुआ, अपनी ही धुन में ड्राइंग कॉपी में अपने नन्हे-नन्हे हाथ से कुछ बना रहा था। बंटू को भी उसकी ही तरह घर का आंगन बहुत पसंद है। गमलों में मुस्कुराते एक से एक सजावटी पौधे, कोने में पारिजात के पेड़ पर टंगी घंटियां और एक विशिष्ट सजावट मन को सुकून से भर देता है यह आंगन। उन्होंने बंटू से कहा, 'इस गर्मी में बाहर बैठे हो! चलो अंदर चलो।'

बंटू ने बताया, 'दादी मैं ड्राइंग बना रहा हूं।'

उन्होंने कॉपी में झांक कर देखा पेड़, पौधे चिड़ियां, लाल-पीले फूल, तितलियां और आसमान में बादल, झरती वर्षा की बूंदें, वहीं दूसरी ओर खाली मटका, मटके के पास एक मृत कौआ।

'यह क्या बंटू?' उन्होंने पूछा।

'दादी कल आपने कहानी सुनाई थी न, कौए को कहीं भी पानी नहीं मिला, सब जगह सूखा ही सूखा। कहीं भी पानी की एक बूंद भी नहीं और कौआ प्यासा ही मर गया।' बंटू की आवाज में एक पीड़ा थी।

वह आगे भी बोला, 'देखो दादी, मैंने पेड़, लगाए हैं, उससे बादल आए, बारिश आई और यह नदी! देखो नदी में कितना सारा पानी है।' उन्होंने देखा बंटू के मुख और स्वर से खुशी फूट रही थी।

'पर तुम्हारा कौआ तो प्यासा ही मर गया। अब क्या फायदा?' उन्होंने बंटू से पूछा।

'दादी देखो! दूसरा कौआ तो आकाश में उड़ रहा है न।' वह बोला।

न जाने क्यों निगाहें अपने आप ही आसमान की ओर उठ गईं। उफ्फ! आग उगलते आसमां में एक भी परिंदा न दिखा। पर उन्होंने मिट्टी के खाली सकोरों को पानी से लबालब जरूर भर दिया। *

-यशोधरा भटनागर

टूरिस्ट प्लेसेस / शिखर चंद जैन

वैसे तो दुनिया भर में हजारों-लाखों ब्रिजेज, नदी, सागर और पहाड़ों पर बनाए गए हैं। लेकिन हम आपको यहां कुछ ऐसे स्काई ब्रिज के बारे में बता रहे हैं, जिस पर से गुजरते हुए आपको भरपूर रोमांचक अनुभव मिलेगा। यहां से आपको आसमान और धरती के ऐसे अद्भुत नजारे दिखेंगे, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते हैं।

थ्रिल से भरपूर अमेजिंग ब्रिज

टिटलिस क्लिफ वाक

स्विटजरलैंड के टिटलिस पहाड़ पर बना यह झूला पुल, दुनिया का सबसे ऊंचा ससपेंशन ब्रिज माना जाता है। समुद्री सतह से 3000 मीटर की ऊंचाई पर बने इस ब्रिज पर टहलने के लिए सचमुच बहुत हिम्मत चाहिए, क्योंकि यहां से आसमान आपको अपनी पहुंच में नजर आएगा और नीचे देखेंगे, तो सिर चकरा जाएगा। जी हां, 100 मीटर लंबे और मात्र 1 मीटर चौड़े इस ब्रिज पर अपना दिल थाम कर आप आगे बढ़ेंगे तो चारों ओर बिखरी सफेद बर्फ और नीले आसमान के नीचे पहाड़ का मनोरम दृश्य आपको स्वर्गिक आनंद तो देगा ही, आपको रोमांच से भी भर देगा।*

ग्रैंड कैन्यन स्काई वाक

अरिजोना (यूएसए) के कैन्यन नेशनल पार्क में 4700 फीट की ऊंचाई पर बना यह पुल, पूरी तरह पारदर्शी है। यह वाक वे दुनिया के सबसे रोमांचक और सिहरन पैदा करने वाले पर्यटक स्थानों की सूची में शुमार है। इस पर टहलते समय नीचे गहरी खाई और ऊपर नीला आसमान नजर आता है तो अच्छे अच्छों का सिर चकरा जाता है। इसकी सैर करते समय आपको म्यूजियम, लाउंज और स्पेशल आइटम्स वाली शॉप भी देखने को मिलेगी। घोड़े के नाल की आकार का यह पुल, दर्शकों का दिल छू लेता है। अगर आप इस पर सैर करने का साहस न जुटा पाएं तो कोई बात नहीं, इसके नजदीक बने ओपन कैफे में बैठकर भी इसके नजारे ले सकते हैं।*

ऑरलैंड लुकआउट

स्विमिंग पुल में कूदने के लिए जो डाइविंग बोर्ड बनाए जाते हैं, वैसी ही डिजाइन है नॉर्वे के इस हैंगिंग ब्रिज ऑरलैंड लुकआउट की। ढलान ऐसी कि दिल घबरा जाए। बहादुर से बहादुर इंसान भी इसके अंतिम छोर तक जाने का साहस नहीं जुटा पाएगा क्योंकि इसका छोर पारदर्शी कांच से बनाया है और वह भी बिना फ्रेम के। नीचे घाटी में झांकेंगे, तो लगेगा बस आप अगले ही पल नीचे गिरने वाले हैं और ऊपर आसमान इतना नजदीक दिखेगा कि आपको लगेगा, आप इसे हाथ से पकड़ लेंगे।*

मोंटीवर्डी रेनफॉरेस्ट स्काई वाक

दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के कोस्टारिका देश में बना यह स्काई वाक इकोटूरिज्म का नायाब उदाहरण है। हैंगिंग ब्रिजेज की श्रृंखला से बना यह 2.5 किलोमीटर लंबा ब्रिज, आपको 2500 तरह के पेड़-पौधे, 400 तरह के पक्षी और कम से कम 100 तरह के जानवरों को देखने का भी मौका देता है। इस पुल पर आप लंबे-लंबे पेड़ों के शिखरों के बगल में चलते हैं और अपने चारों ओर प्रकृति का जीवंत रूप देखते हैं, तो मन आनंद से भर जाता है। इस बियाबान जंगल में सूरज की रोशनी बड़ी मुश्किल से धरती को छू पाती है। ऐसे में ब्रिज पर सैर करते हुए हवाई नजारा लेना एक अनूठी अनुभूति है।*

थियानमेन मुंटेन स्काईवाक

चीन के हुनान प्रांत में बना यह स्काई वाक वे 4700 फीट की ऊंचाई पर स्थित पहाड़ी पर बना है। इस वाक वे पर चलने से पहले भरपूर जीवट वाला इंसान भी एक बार घबरा जाएगा, क्योंकि एक ओर पहाड़ी की खड़ी ढाल है और दूसरी ओर 4000 फीट गहरी खाई। दिलचस्प बात यह कि इसका 3 फीट चौड़ा पैसेज पारदर्शी कांच का बना है, जिससे आप खुद को हवा में झूलता सा महसूस कर सकते हैं। इस स्काई ब्रिज पर टहलना 'वाक आफ फेथ' कहा जाता है, क्योंकि माना जाता है कि यह कमजोर दिलवालों के लिए नहीं, अत्यधिक आत्मविश्वास वाले लोगों के लिए ही है।*

ऑग्रेबीज वॉटरफॉल्स वाक वेज

दक्षिण अफ्रीका के नार्दर्न केप में बने ऑग्रेबीज नेशनल पार्क में लकड़ी से बना यह ब्रिज आपको वाटरफाल के नजदीक पहुंचाता है। 5 कि.मी. लंबा यह वाक वे आपको उस अद्भुत मनोहारी दृश्य को नजदीक से देखने का मौका देता है, जो ऑरेंज नदी के लहराते जल के 240 मीटर गहरी और 18 किमी लंबी खाई में गिरने से उपस्थित होता है। इस पानी का शोर ऐसा होता है मानो सैंकड़ों नगाड़े पूरी ताकत के साथ बजाए जा रहे हैं। वाक वे पर खड़े होकर इस दृश्य को देखना और आवाज को सुनना वाकई एक अविस्मरणीय अनुभव होता है।*

सावधानी है जरूरी

अगर आपको कभी इन वाक वेज को देखने का मौका मिले और इनकी सैर करें तो कुछ सावधानी जरूर बरतें-

- चप्पल या आसानी से खुलकर निकल जाने वाले फुटवियर न पहनें।
- लहराने वाले या लूज ड्रेस जैसे दुपट्टा, मफलर आदि न पहनें।
- मोबाइल फोन, सनग्लास, कैमरे जैसे आइटम साथ में न रखें।
- नींद की दवा या नशीले पदार्थों का सेवन करने के बाद भूलकर भी यहां न जाएं।
- स्वास्थ्य संबंधी कोई शिकायत है, तो डॉक्टर से कंसल्ट जरूर कर लें।

रोचक / डॉ. शिबन कृष्ण रैणा

शारजाह की विशाल सब्जी मंडी

जब भी मैं यूएई (यूनाइटेड अरब अमीरात) जाता हूं तो शारजाह शहर में स्थित सब्जी मंडी को देखना नहीं भूलता। सचमुच, अद्भुत और दर्शनीय! कह नहीं सकता कि विश्व में ऐसी भव्य, विशालकाय और मनोरम सब्जी मंडी कहीं और होगी या नहीं? इस सब्जी मंडी का नाम है 'सौक अल-जुबैल।' सैंतीस सौ वर्ग मीटर क्षेत्रफल में फैले इस विशालकाय वातानुकूलित परिसर में मुख्यतया तीन मार्केट मौजूद हैं। एक में फल और सब्जियां, दूसरे में मीट, चिकन, मछली जबकि तीसरे में सूखे मेवे आदि की दुकानें हैं। कुल मिलाकर इसमें 370 दुकानें हैं, जिनमें 212 सब्जी और फल की और शेष दुकानें नॉनवेज की हैं। पहले यह मंडी दूसरी जगह पर हुआ करती थी। नया परिसर बनने पर पुरानी मंडी की सारी दुकानें यहां पर शिफ्ट कर दी गई हैं।

यहां की व्यवस्था और साफ-सफाई शानदार है। कहीं कोई गिचपिच नहीं, कोई गंदगी नहीं। कहीं कोई शोर-शराबा भी नहीं। हर चीज का एक दाम। कोई मोल भाव भी नहीं। चारों ओर अनुशासन और शांति का माहौल। यूएई चूंकि-कृषि प्रधान देश नहीं है, इसलिए फल, सब्जी आदि खाने-पीने की चीजें मुख्यतया ओमान, भारत, पाकिस्तान, इटली, अमेरिका, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया आदि देशों से यहां मंगवाई जाती हैं। इस सब्जी मंडी की विशालकायता का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि परिसर के बाहर 750 कारों के लिए पार्किंग की व्यवस्था है। 800 ट्रॉलियों से लैस परिसर में एटीएम के साथ-साथ वाई-फाई की सुविधा भी उपलब्ध है। पूरा परिसर चौबीस घंटे सीसीटीवी कैमरों की निगरानी तले रहता है। परिसर की ऊपर वाली मंजिल पर 'सौक अल-जुबैल' का प्रशासनिक कार्यालय भी स्थित है।*

ट्रेंड / विवेक कुमार

बहुत कुछ कहती हैं अंगुली में पहनी अंगूठियां

हममें से कई लोग रईसी दिखाने के लिए तो कुछ अट्रैक्टिव या डिफरेंट दिखने के लिए ज्वेलरी पहनना पसंद करते हैं। विभिन्न धातुओं से बनी ये ज्वेलरीज हमारे स्वभाव से लेकर हमारे स्वास्थ्य तक को प्रभावित करती हैं। लेकिन अगर अंगूठियों की बात करें तो इससे हमारी पर्सनालिटी तो निखरती ही है। अलग-अलग अंगुलियों में पहनी गई अंगूठियां, अलग-अलग एंगल और अंदाज से हमारे व्यक्तित्व और मनोविज्ञान का खुलासा भी करती हैं। इस बारे में जानिए कुछ रोचक बातें।

अंगूठे में अंगूठी: जब आप अपने दाएं हाथ के अंगूठे पर अंगूठी पहनते हैं तो यह आपके महत्वाकांक्षी होने के मनोविज्ञान को दर्शाता है। यदि आप अपने बाएं हाथ के अंगूठे पर अंगूठी पहनते हैं तो यह आपके अंदर के मनोवैज्ञानिक संघर्ष को दर्शाता है। इसका एक पहलू आपकी पर्सनालिटी को उभारने के संबंध में भी होता है। अगर आपकी बॉडी फिट है, लंबाई 6 फीट के आस-पास है, बदन भारी नहीं है, चेहरे में आत्मविश्वास और ऊर्जा की मौजूदगी है, तो अंगूठे में पहनी गई अंगूठी आपकी अलग ही चमक दिखाती है। यह आपके समूचे व्यक्तित्व को एक ड्राइविंग फोर्स देती है।

तर्जनी अंगुली में अंगूठी: तर्जनी अंगुली पर अंगूठी पहनना हालांकि बहुत आसान है, लेकिन आप ध्यान से देखें तो अंगूठी का शौक रखने वाले भी महज 5 से 10 फीसदी लोग ही तर्जनी में अंगूठी पहनते हैं। दरअसल, तर्जनी पर अंगूठी वही पहनते हैं, जो अपने आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को सार्वजनिक रूप से दर्शाना चाहते हैं, जिनमें नेतृत्व के गुण होते हैं। अगर इस बात को राजनेताओं से जोड़कर देखें तो अकसर राजनेता तर्जनी अंगुली पर अंगूठी पहने मिल जाते हैं। लेकिन अगर इसे सिर्फ फैशन के लिहाज से देखें तो तर्जनी अंगुली पर उन्हीं को अंगूठी पहनना शानदार दिखाता है, जिनकी पर्सनालिटी पहले से ही भरी-पूरी हो।

मध्यमा अंगुली पर अंगूठी: मध्यमा अंगुली जिम्मेदारी, सुंदरता, आत्मविश्लेषण यानी आपके बारे में बहुत कुछ कहती है। परिवार के मुखिया आमतौर पर मध्यमा अंगुली पर ही अंगूठी पहनना पसंद करते हैं, क्योंकि वे जिम्मेदारी उठाना पसंद करते हैं। मध्यमा अंगुली पर अंगूठी किसी भी लंबाई के पुरुष में अच्छी लगती है, बशर्ते उसके चेहरे में उत्साह हो और आत्मविश्वास भी झलकता हो।

अनामिका अंगुली में अंगूठी: अनामिका एक ऐसी अंगुली है, जिसमें करीब-करीब हर कोई अंगूठी पहनता है और यह भी कहना चाहिए कि हर किसी की अनामिका में पहनी गई अंगूठी अच्छी भी लगती है। शायद इसकी वजह यह है कि इस अंगुली पर जब भी हम अंगूठी पहनते हैं, यह अच्छी लगती है। इसलिए यह अंगूठी पहनने के लिए सबसे कॉमन अंगुली है। रिश्तों की रचनात्मकता को पहचानना हो तो किसी के अनामिका में पहनी गई अंगूठी को देख लें। इसी वजह से विवाह के समय हर जोड़ा इसी अंगुली पर अंगूठी पहनाता है। वास्तव में अनामिका का रिश्ता चंद्रमा और रोमांस से है।

कनिष्ठा अंगुली में अंगूठी : कनिष्ठा यानी छोटी अंगुली पर बहुत कम लोग अंगूठी पहनते हैं। आमतौर पर इस अंगुली में वही लोग अंगूठी पहनते हैं, जिन्हें किसी विशेष मकसद से कोई अंगूठी पहननी हो। लेकिन इस अंगुली में अंगूठी पहनने वालों का एक स्पष्ट मनोविज्ञान होता है। ये पेशेवर होते हैं, बुद्धिमान होते हैं, दूसरे की कम सुनते हैं और अपने आत्मज्ञान पर भरोसा करते हैं। सही तरीके से ड्रेसअप होने पर कनिष्ठा में पहनी गई अंगूठी पर्सनालिटी में चार चांद भी लगाती है।*

रिचा चड्ढा ने अपने अलग तरह के रोल्स और दमदार अभिनय से फिल्मों में एक अलग पहचान बनाई है। इन दिनों वह वेब सीरीज 'हीरामंडी' में अपने किरदार को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों को काफी प्रभावित किया है। रिचा चड्ढा से उनकी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़ी खुलकर बातचीत।

लज्जो मेरी नई पहचान है : रिचा चड्ढा

बातचीत / पूजा सामंत

पिछले दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई संजय लीला भंसाली निर्देशित वेब सीरीज 'हीरामंडी' में आप लज्जो के किरदार में नजर आ रही हैं। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। आप क्या कहना चाहेंगी?

हर कलाकार चाहता है कि उसे भंसाली सर के साथ काम करने का मौका मिले। एक स्त्री का चित्रण जिस खूबसूरती से भंसाली सर करते हैं, वैसा किसी और के लिए करना मुश्किल है। वे हर फ्रेम को बेहद सुंदर बना देते हैं। परफेक्शन का दूसरा नाम हैं- संजय लीला भंसाली। 'हीरामंडी' में लज्जो का किरदार निभाकर मुझे काफी प्रशंसा मिल रही है।

सुना है 'हीरामंडी' में आप एक डांस सीक्वेंस परफॉर्म करते समय रो पड़ी थीं?

अभी तो मैंने बताया कि भंसाली सर कितने परफेक्शनिस्ट हैं। जब तक शॉट 'द बेस्ट' न हो, रीटेक तो होते रहेंगे। शो के एक डांस सीक्वेंस में लज्जो को मुजरा करते हुए दिखाया गया है, यह कथक के तोड़े हैं। मेरे लगातार रीटेक्स हुए जा रहे थे। मुझे इस बात को लेकर घबराहट हो रही थी कि आखिर मेरा शॉट फाइनल होगा या नहीं, इसलिए मेरी आंखों में आंसू आ गए। 99 रीटेक्स के बाद मेरा कथक वाला मुजरा ओके हुआ।

'हीरामंडी' में को-आर्टिस्ट्स के साथ लज्जों के किरदार में रिचा चड्ढा

आप और आपके पति अली फजल ने एक्टिंग फील्ड में होते हुए भी अपना फिल्म प्रोडक्शन शुरू किया। क्या फिल्म निर्माण के क्षेत्र में उतरने के पीछे कोई खास मकसद है?

चलती-फिरती जिंदगी में कई बार कुछ ऐसे वाकये हो जाते हैं कि लगता है यह तो फिल्म का सब्जेक्ट है। यह जरूरी नहीं कि मेरा सुनाया सब्जेक्ट या कहानी किसी और निर्माता को पसंद आए। इसलिए किसी अच्छी-रोचक कहानी पर हमने स्वयं फिल्म बनाना सही समझा। सो फिल्म निर्माण में आ गए।

आप और अली फजल दोनों फिल्म कलाकार हैं, जीवन साथी भी हैं। फिल्म निर्माण भी साथ में कर रहे हैं, ऐसे में क्या 'क्रिएटिव डिफरेंसेज' की गुंजाइश नहीं रहेगी?

रहेगी न! किसी मुद्दे को लेकर वैचारिक मतभेद का होना स्वाभाविक है। अली को लव स्टोरीज आकर्षित करती हैं और मैं सोचती हूं, एक्शन का तड़का कहानियों में हो तो वो यूनिवर्सल अपील बन जाती है। लेकिन हम दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करते हैं।

आपके प्रोडक्शन की फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' सराही जा रही है। इस फिल्म के बारे में कुछ बताएं।

सूचि तलाटी निर्देशित हमारी यह फिल्म 21 अगस्त को फ्रांस में रिलीज होगी। इस फिल्म में प्रीति पाणिग्रही, कनि कुसूरति, केशव बिनॉय किरण, जितेन गुलाटी, देविका शाहनी और काजल चुघ मुख्य भूमिका में हैं। ये सभी बड़े होनहार कलाकार हैं। अभी फिल्म की पूरी स्टोरी बताना ठीक नहीं रहेगा। वैसे इसे एक मां और बेटी के संघर्ष की कहानी कहा जा सकता है।

अब तक की अपनी जर्नी को कैसे देखती हैं?

मेरी जर्नी स्लो एंड स्टेडी रही है। मुझे लगता है मेरी हर फिल्म, हर किरदार ने मुझे सिखाया है, मेरी ग्रोथ हुई है। मैं रातों-रात स्टार नहीं बनी, धीरे-धीरे आगे बढ़ी हूं। 2008 में रिलीज हुई फिल्म 'ओए लक्की! लक्की ओए' में एक छोटे रोल से मैंने अपना फिल्मी सफर शुरू किया था। उसके बाद 'मसान', 'गैंग्स ऑफ वासेपुर', 'गोलियों की रासलीला-राम लीला' जैसी फिल्मों में मेरे किरदारों को दर्शकों और फिल्म-क्रिटिक्स के अच्छे रेस्पॉन्स मिले। मेरा किरदार 'भोली पंजाबन' इतना पॉपुलर हुआ कि मुझे 'फुकरे', 'फुकरे रिटर्न्स' में उसी तरह के रोल ऑफर हुए। आज भी मुझ पर से 'भोली पंजाबन' का स्टैंप पूरी तरह से हटा नहीं है। अब मेरे कई फैंस मुझे 'लज्जो' (हीरामंडी) के नाम से जानने लगे हैं, यह मेरी नई पहचान है।*

यह भी बताया...

प्रेग्नेंट रिचा के अहसास : रिचा चड्ढा बहुत जल्द मां बनने वाली हैं। वह कैसा महसूस कर रही हैं, पूछने पर बताती हैं, 'मैं बहुत ज्यादा एक्साइटेड हूं। मैं अली को 2015 से जानती हूं। वेनिस फिल्म फेस्टिवल में 'विक्टोरिया एंड अब्दुल' फिल्म के प्रीमियर पर हम पहली बार मिले थे। हमारी मुलाकात दोस्ती और प्यार में तब्दील हुई। हमने 2020 में शादी की, अब हम 2024 में मम्मी-पापा बन रहे हैं। हमारा प्यार, हमारे रिश्ते बहुत सहज तरीके से आगे बढ़े। अब मुझे मम्मी और अली को पापा कहने वाला कोई आएगा। ये भावनाएं मन पर मोर पंख घुमा रही हैं।'

नहीं छोड़ेंगी अभिनय और फिल्म निर्माण: रिचा से यह सवाल करने पर कि मां बनने के बाद क्या वह अपना एक्टिंग-करियर जारी रखेंगी, वह जवाब देती हैं, 'वक्त तेजी से बदल रहा है, बल्कि बदल चुका है। यह उन मांओं के लिए सुनहरा दौर है, जो अपने बच्चों की परवरिश के साथ अपने करियर को खत्म नहीं करना चाहतीं। मुझे याद है, जब मेरे भाई का जन्म हुआ था, मां ने डिलीवरी के 45 दिनों बाद ही अपनी जॉब कंटिन्यू कर दी थी। प्रेग्नेंसी-डिलीवरी स्त्री के लिए एक ऑर्गेनिक प्रॉसेस है। अगर मां का हाथ बंटाने वाला कोई हो तो यह कोई इश्यू नहीं बनता। मैं भी मनचाहा काम, फिल्में, ओटीटी, फिल्म निर्माण करते रहना चाहूंगी।'